कोटद्वार, गुरूवार
11 दिसम्बर 2025
वर्षः 48
अंकः 204 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

कांग्रेस की बैठक कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट, अफरातफरी

विकासनगर। कांग्रेस की दिल्ली में प्रस्तावित वोट चोर गद्दी छोड़ रैली की रणनीति बनाने के लिए बुधवार को एक विकास प्वाइंट में हुई कांग्रेस की बैठक कार्यकर्ताओं के बीच लड़ाई का मैदान बन गई। इससे अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया। कार्यकर्ताओं में यह मारपीट प्रदेश अनुशासन समिति के अध्यक्ष नवप्रभात, चुनाव प्रचार समिति अध्यक्ष प्रीतम सिंह और प्रदेश उपाध्यक्ष आर्येंद्र शर्मा की मौजूदगी में हुई। मारपीट के दौरान वरिष्ठ नेता मूकदर्शक बने रहे। हालांकि, जिलाध्यक्ष समेत कुछ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव किया। बैठक में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता दिल्ली में होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ रैली में भागीदारी को लेकर रणनीति बनाने के लिए जुटे थे। मंच से पूर्व मंडी समिति अध्यक्ष विपुल जैन ने कहा कि कार्यकर्ताओं के दिल्ली जाने की व्यवस्था उन लोगों को करनी चाहिए, जिनको पार्टी ने विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कई बार टिकट दिया है। हालांकि, कुछ कार्यकर्ताओं ने उनके इस बयान को बैठक में मौजूद एक पूर्व मंत्री की ओर इशारा माना। इस पर वे भड़क उठे। इस पर दूसरे कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध किया। इससे कार्यकर्ताओं में हाथापाई हो गई। हालांकि, जिलाध्यक्ष समेत कुछ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव किया। इस दौरान चुनाव प्रचार समिति के अध्यक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष और कांग्रेस अनुशासन समिति अध्यक्ष मंच पर ही मौजूद रहे। हालांकि, बाद में प्रीतम सिंह ने मंच से कहा कि कार्यकर्ताओं को खुद के संसाधनों से ही दिल्ली पहुंचना होगा।

चालदा महाराज के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

विकासनगर। छत्रधारी चालदा महाराज के बुधवार देर रात भूपऊगांव में पहुंचने से ही ग्रामीणों में उत्साह छा गया। श्रद्धालु भपऊ गांव की सीमा पर बनाए गए स्वागत द्वार पर हाथों में फूलों की थाल लिए महाराज के स्वागत के लिए खड़े थे। देव पालकी के पहुंचते ही क्षेत्र चालदा महाराज के जयकारों से गूंज उठा। चालदा महाराज के दर्शन को भक्तों का तांता लगा रहा। स्वागत द्वार से श्रद्धालुओं के साथ महाराज की पालकी भूपऊगांव पहुंची। धार्मिक विधि-विधान से देव पालकी को विश्राम स्थल सीताराम चौहान के आवास पर विराजमान किया गया। इसके बाद जागड़ा पर्व की शुरुआत हुई। रात दस बजे धाम (भंडारा) वितरित किया गया। इसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। बुधवार सुबह से ही आसपास के गांवों से ग्रामीणों का देव दर्शन को भूपऊ पहुंचने शुरू हो गए थे। कई ग्रामीणों ने देव माली से समस्याओं के समाधान के उपाय पूछे। देर रात तक गांव में देव हारूल पर चालदा महाराज की स्तुति की गई। इसके साथ ही लोक संस्कृति और आध्यात्म की अनूठा मिश्रण देखने को मिला।

सीबीसीआईडी ने पचास हजार रुपये के ईनामी को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया

हरिद्वार। कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र में दर्ज एक बहुचर्चित धोखाधड़ी मामले के पचास हजार रुपये के ईनामी आरोपी को सीबीसीआईडी की टीम ने महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी कई वर्षों से फरार चल रहा था और उसकी तलाश में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड सहित विभिन्न राज्यों में लगातार दबिश दी जा रही थी। पुलिस के अनुसार, ज्वालापुर कोतवाली में आरोपी अनिल कुमार तिवारी पुत्र स्व. जागेश्वर तिवारी निवासी ए-1597 एलआईजी आवास विकास कॉलोनी, हंसपुरम, थाना नौबस्ता, कानपुर (उ.प्र.) के खिलाफ गंभीर आरोपों में मुकदमा दर्ज है।

आरोपी ने चिट्स एंड फंड के नाम पर लोगों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी की और लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 50,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। सीबीसीआईडी की टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से महाराष्ट्र के ठाणे जिले स्थित टीटवाला ईस्ट क्षेत्र में दबिश दी और फ्लैट नंबर 205, बिल्डिंग नंबर-02, रेजेन्सी सर्वम, टीटवाला से आरोपी को 7 दिसंबर 2025 को पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद सीबीसीआईडी की टीम ने आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर हरिद्वार कोतवाली ज्वालापुर में दाखिल किया। ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

उत्तराखंड में सात कानूनों में ढील

अब नहीं जाना पड़ेगा जेल, भरना होगा जुर्माना

देहरादून। केंद्र सरकार के दिशा निर्देशों के क्रम में प्रदेश सरकार ने भी विभागों के अंतर्गत छोटे अपराध को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के साथ ही जेल की सजा हटाने को लेकर कसरत तेज कर दी है। इसी क्रम में कैबिनेट ने उत्तराखंड जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अध्यादेश 2025 को हरी झंडी दी है। प्रथम चरण में विभिन्न विभागों के सात कानूनों में ढील दी गई है। इनमें से कुछ में जेल की सजा को हटाया गया है तो कुछ में अवधि कम की गई है। अलबत्ता, जुर्माने की राशि में भारी-भरकम बढ़ोतरी का प्रविधान किया गया है। जुर्माने की राशि में हर तीन वर्ष में तीन प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी। राज्य में अभी तक ऐसे 52 अधिनियम चिह्नित किए गए हैं, जिनमें इस तरह के कदम उठाए जाने हैं। प्रदेश में विभिन्न अधिनियमों के तहत छोटे अपराधों को अपराध मुक्त करने के दृष्टिगत आपराधिक प्रतिबंधों, विशेषकर कारावास को मौद्रिक जुर्माने और प्रशासनिक उपायों से प्रतिस्थापित करने के उद्देश्य से सरकार उत्तराखंड जन विश्वास अधिनियम लेकर आई है। यह सुधार केंद्र सरकार की नीतियों और राष्ट्रीय स्तर पर अपनाए गए जनविश्वास के ढांचे के अनुरूप है। इसका लक्ष्य व्यापार सुगमता को बढ़ाना, न्यायिक बोझ को कम करना, निवेश को प्रोत्साहित करना और अनुपालन तंत्र का युक्तिकरण करना है। अधिनियम के तहत ऐसे विनियामक और प्रक्रियात्मक उल्लंघन के लिए आपराधिक दंड से प्रशासनिक दंड की ओर बदलाव किया जाएगा, जिससे कोई हानि या दुर्भावनापूर्ण इरादा न हो। साथ ही न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन के दृष्टिकोण और नागरिक केंद्रित कानूनों का समर्थन किया जाएगा। इस पहल से उद्यमिता, नवाचार और निवेश के अनुरूप विनियामक वातावरण तैयार होगा।

इन अधिनियम में बदले दंडात्मक प्रविधान, 500 से पांच लाख तक का जुर्माना

उत्तराखंड आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए लोक सेवा आरक्षण अधिनियम के उल्लंघन में अब कारावास को पूरी तरह से हटाया गया है। अलबत्ता जुर्माने की राशि 20,000 से बढ़ाकर 40,000 रुपये की गई है। उत्तराखंड जैविक कृषि अधिनियम में भी एक वर्ष के साधारण कारावास के प्रविधान को पूरी तरह से हटाया गया है। यद्यपि, जुर्माना राशि न्यूनतम 50,000 व अधिकतम पांच लाख रुपये की गई है। यही नहीं जुर्माना चुकाने में देरी पर प्रतिदिन 1,000 रुपये के हिसाब से अलग से लिया जाएगा। उत्तराखंड फल नर्सरी विनियमन अधिनियम में कारावास की अवधि को एक से छह माह किया गया है। जुर्माने की राशि 50 हजार से पांच लाख रुपये निर्धारित की गई है। उत्तराखंड प्लास्टिक और गैर बायोडिग्रेबल कचरा विनियमन अधिनियम के उल्लंघन पर तीन माह के साधारण कारावास की अवधि घटाकर एक माह की गई है।

लाखों लोगों की जा सकती है जान जापान में 'महाभूकंप की चेतावनी जारी

जापान , जापान में एक बार फिर भीषण भूकंप ने तबाही मचाई। होक्काइडो के दक्षिण में आओमोरी के पूर्वी तट पर आए 7.5 तीव्रता के भूकंप से कई स्थानों पर नुकसान हुआ। इस झटके में 34 लोग मामूली रूप से घायल हुए, जबकि कुछ सड़कों और इमारतों को सीमित क्षति पहुँची है। लेकिन इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने इस घटना के बाद एक दुर्लभ महाभूकंप की चेतावनी जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेतावनी दी है कि आने वाला सप्ताह अत्यंत संवेदनशील है और इस दौरान 8 या उससे अधिक तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आ सकता है। यह चेतावनी किसी पूर्वानुमान पर आधारित नहीं है, बल्कि मौजूदा भूकंपीय गतिविधि को देखते हुए खतरे का स्तर बढ़ा हुआ माना जा रहा है।

क्यों बढ़ा है उत्तर जापान में खतरा?

विशेषज्ञों के अनुसार, सोमवार का 7.5 तीव्रता वाला झटका उसी क्षेत्र में आया है जहां प्रशांत प्लेट जापान के नीचे खिसकती है। यह इलाका-जापान ट्रेंच और चिशिमा ट्रेंच के आसपास-देश के कई बड़े ऐतिहासिक भूकंपों का केंद्र रहा है। 2011 की विनाशकारी सुनामी और फुकुशिमा परमाणु हादसा भी इसी क्षेत्र में हलचल के कारण हुआ था।

शीर्ष कंपनियों के सीईओ ने पीएम मोदी से मुलाकात की

भारत में निवेश और विस्तार की प्रतिबद्धता को दोहराया

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दुनिया की कई दिग्गज कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने मुलाकात की। इनमें इंटेल के सीईओ लिप-बू टैन, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला और कॉग्निजेंट के सीईओ रवि कुमार एस और उसकी भारतीय इकाई के एमडी एवं चेयरमैन राजेश वरियर शामिल थे। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद लिप-बू टैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सझ् पर पोस्ट में कहा कि आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात हुई। हमने टेक्नोलॉजी, कंप्यूटिंग और भारत के लिए अपार संभावनाओं वाले विविध विषयों पर व्यापक चर्चा की। मैं एक व्यापक सेमीकंडक्टर डिजाइन और निर्माण नीति लागू करने के लिए प्रधानमंत्री की सराहना करता हूं और इंटेल भारत सेमीकंडक्टर मिशन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ पीएम मोदी ने कॉग्निजेंट के सीईओ रवि कुमार एस और उसकी भारतीय इकाई के एमडी एवं चेयरमैन

राजेश वरियर से मुलाकात की। इस पर कॉग्निजेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सझ् पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे सीईओ रवि कुमार एस और कॉग्निजेंट इंडिया के एमडी एवं चेयरमैन राजेश वरियर ने पीएम मोदी से मुलाकात की। जहां उन्होंने एआई को अपनाने में तेजी लाने और एआई क्षमताओं एवं उत्पादकता को बढ़ाने हेतु शिक्षा एवं कौशल विकास को आगे बढ़ाने पर एक प्रेरक बातचीत की। वहीं, रवि कुमार एस ने एक अलग पोस्ट में कहा कि भारत के एआई-फर्स्ट रोडमैप, वैश्विक उद्यमों द्वारा एआई अपनाने की गति को तेज करने की आवश्यकता, एआई क्षमताओं के निर्माण हेतु शिक्षा और कौशल सुधारों और समावेशी विकास के लिए उत्पादकता में वृद्धि पर एक प्रेरणादायक बातचीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद।

इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर चुके हैं। सत्य नडेला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि देश की महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट 17.5 अरब डॉलर का निवेश कर रहा है, जो एशिया में हमारा अब तक का सबसे बड़ा निवेश है, ताकि भारत के एआई-प्रधान भविष्य के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे, कौशल और संप्रभु क्षमताओं के निर्माण में मदद मिल सके।

मुख्यमंत्री के 4 वर्ष की उपलब्धियों पर आयोजित हुई विचार गोष्ठी

– विशेषज्ञों ने मुख्यमंत्री के कार्यकाल को बताया बेमिसाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा में कुलपति सतपाल सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी आयोजित की गई।

इस गोष्ठी में विभिन्न क्षेत्रों के विषय-विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, उद्यमियों, जनप्रतिनिधियों तथा बुद्धिजीवियों ने प्रतिभाग कर अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चार वर्ष से अधिक के कार्यकाल को राज्य हित में उनके द्वारा लिये गए निर्णयों को बेमिसाल बताया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के मीडिया समन्वयक मदन मोहन सती द्वारा लिखित पुस्तक नायक से जननायक तथा धामी की धमक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 सतपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कुशल नेतृत्वकर्ता हैं। वें समूचे राज्य को एक सूत्र में बांधने का कार्य कर रहे हैं। उनके कार्यकाल के बीते 4 साल वाकई बेमिसाल हैं। इन सालों में राज्य ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इन उपलब्धियों से हमारा छोटा सा राज्य बड़े निर्णय लेने वाले राज्य के रूप से जाना जाने लगा है। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के गणित विभाग के ऑडिटोरियम में आयोजित इस गोष्ठी का उद्देश्य बीते चार वर्षों में राज्य में हुए विकास कार्यों की समीक्षा, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव का आकलन तथा भविष्य की प्राथमिकताओं पर सार्थक विमर्श करना रहा। गोष्ठी में राज्य सरकार की उपलब्धियों और चुनौतियों को लेकर विचार साझा किये गए। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी केंद्र सरकार से बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए राज्य को आगे बढ़ाते हुए नजर आ रहे हैं। गोष्ठी में राज्य के सतत विकास लक्ष्यों तथा खनन सुधारों से राजस्व प्राप्तियों में अव्वल स्थान लाना, समान नागरिक संहिता को लागू करना, सख्त भू कानून के जरिए जमीनों की धोखाधड़ी को रोकना, नकल विरोधी कानून, ऋषिकेश कर्णप्रयाग और टनकपुर बागेश्वर रेल लाइन, सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून, घटती बेरोजगारी आदि विषयों पर वक्ताओं ने सरकार की प्रशंसा की।

वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में राज्य ने कई प्रमुख क्षेत्रों में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने चार वर्षों को बेहद प्रभावी, जनहितकारी और सुशासन की दिशा में मील का पत्थर बताया। विशेषज्ञों ने रेखांकित किया कि इन चार वर्षों में राज्य ने शिक्षा क्षेत्र में मॉडल स्कूलों की स्थापना, स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था के विस्तार, छात्रवृत्ति योजनाओं और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति की है।

रोजगार और स्वरोजगार के क्षेत्र में भर्ती प्रक्रियाओं के सरलीकरण, पारदर्शी परीक्षाओं, स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रोत्साहन, होमस्टे और पर्यटन आधारित रोजगार में वृद्धि दर्ज की है। गोष्ठी में यह भी चर्चा हुई कि बीते 4 वर्षों में 26 हजार से अधिक नियमित सरकारी नौकरियां दी गई हैं, जो पूरी पारदर्शिता और स्पष्टता के साथ चयन प्रक्रियाओं के माध्यम से संपन्न की गई।

कपकोट में इस बार चार दिन लगेगा उत्तरायणी मेला

बागेश्वर। आगामी जनवरी में आयोजित होने वाले उतरायणी मेले की तैयारियों को लेकर नगर पंचायत सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस दौरान मेले की अवधि को बढ़ाते हुए तीन नहीं, बल्कि चार दिन करने का निर्णय भी सामने आया। विधायक सुरेश गढ़िया ने कहा कि उतरायणी मेला कपकोट की सांस्कृतिक पहचान है। इसे भव्य रूप देने की जिम्मेदारी सिर्फ प्रशासन की नहीं, बल्कि प्रत्येक क्षेत्रवासी की है। उन्होंने जोर दिया कि इस वर्ष का मेला ऐतिहासिक तथा अविस्मरणीय होना चाहिए, जिससे स्थानीय कला, संस्कृति तथा पर्यटन को भी बढ़ावा मिले। मेले में इस बार नाव की सवारी भी मेलार्थी करेंगे। केदारेश्वर मैदान के पास सरयू नदी में कृत्रिम झील बनाई जाएगी। ऊंट की सवारी भी लोग करेंगे। नगर पंचायत अध्यक्ष गीता ऐठानी ने सभी क्षेत्रवासियों से मेले को सफल बनाने के लिए सहयोग की अपील की।अधिशासी अधिकारी बलवंत सिंह रावत ने बैठक का संचालन करते हुए मेले की व्यवस्थाओं, सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात, स्टालों की व्यवस्था तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की।

गुरुद्वारा हेमकुंड पहुंची श्री गुरु तेग बहादुर साहिब यात्रा

ऋषिकेश। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब यात्रा केशगढ़ साहिब आनंदपुर साहिब से शुरू होकर बुधवार को ऋषिकेश के गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब पहुंची। जहां गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्यों के अलावा अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य गगनदीप सिंह बेदी ने यात्रा का पुष्प वर्षा से स्वागत किया। इस दौरान जो बोले सो निहाल के जयकारों से गुरुद्वारा परिसर गूंज उठा। बुधवार को लक्ष्मणझूला मार्ग स्थित श्री हेमुकंड साहिब में पहुंची श्री गुरु तेग बहादुर साहिब यात्रा में आए सैकड़ो श्रद्धालुओं ने दरबार साहिब में माथा टेका और गुरु घर से देश की खुशहाली को लेकर प्रार्थना करी। अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य गगनदीप सिंह बेदी ने बताया कि यह यात्रा श्री गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहीदी साला के रूप में निकाली जा रही है। यात्रा केशगढ़ साहिब आनंदपुर साहिब से आठ दिसंबर को शुरू हुई है और बुधवार को गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब में यात्रा पहुंची और कुछ देर रुकने के बाद हरिद्वार की ओर रवाना हो गई। देर रात तक यात्रा ननकाना

साहिब काशीपुर पहुंचेगी। 12 दिसम्बर को यात्रा अगले पड़ाव की ओर रवाना होगी। 24 दिसंबर तक यात्रा बिहार के पटना साहिब तक जाएगी और फिर अपने घर वापस पहुंचकर समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का मकसद गुरु तेग बहादुर की कुर्बानी को याद करने के साथ उनकी कुर्बानियों को दुनिया के सामने उजागर करना है। जिससे दुनिया को पता चले कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए सिखों के गुरुओं ने किस प्रकार कुर्बानियां दी है।

सीजेआई के खिलाफ मोटिवेटेड कैंपेन पर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के 44 पूर्व जजों ने जताई कड़ी आपत्ति

नई दिल्ली । देश के 44 पूर्व सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) पर रोहिंग्या प्रवासियों से जुड़ी टिप्पणियों को लेकर चल रहे प्रेरित और भड़काऊअभियान की कड़ी निंदा की है। न्यायाधीशों ने इस मामले में 5 दिसंबर को जारी ओपन लेटर का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट की प्रतिष्ठा को प्रभावित करने का यह प्रयास स्वीकार्य नहीं है। बता दें कि पत्र में कहा गया था कि 2 दिसंबर की सुनवाई में रोहिंग्या शरणार्थियों पर अमानवीय टिप्पणी हुई। पूर्व न्यायाधीशों ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया पर तर्कसंगत आलोचना हो सकती है, लेकिन वर्तमान में जो कुछ हो रहा है, वह नियमित अदालत कार्यवाही को पक्षपातपूर्ण रूप में पेश कर न्यायपालिका की वैधता पर सवाल उठाने का प्रयास है। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि सीजेआई

केवल यह पूछ रहे थे कि कानून के तहत रोहिंग्या के कौन से अधिकार या दर्जे का दावा किया जा रहा है। पत्र में न्यायाधीशों ने यह भी रेखांकित किया कि कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि भारत में किसी भी व्यक्ति (नागरिक या विदेशी) के साथ यातना, गुमनामी या अमानवीय व्यवहार नहीं किया जा सकता और हर व्यक्ति की गरिमा का सम्मान होना चाहिए। इस बात को नजरअंदाज कर अदालत पर अमानवीयता का आरोप लगाना गंभीर विकृति है। पूर्व न्यायाधीशों ने रोहिंग्या प्रवासियों की स्थिति और कानूनी परिप्रेक्ष्य स्पष्ट करते हुए कहा कि रोहिंग्या प्रवासी भारतीय कानून के तहत शरणार्थी नहीं हैं। अधिकांश मामलों में उनकी भारत में प्रविष्टि अनियमित या अवैध है। केवल दावा करने से उन्हें कानूनी शरणार्थी दर्जा नहीं मिल सकता। भारत 1951 के यूएन शरणार्थी सम्मेलन और 1967 के प्रोटोकॉल का हिस्सा नहीं है। इसलिए भारत के कर्तव्य उसके संविधान, विदेशी और प्रवास कानूनों और सामान्य मानवाधिकारों से तय होते हैं, न कि किसी अंतरराष्ट्रीय संधि से। अवैध प्रवासियों द्वारा आधार कार्ड, राशन कार्ड और अन्य पहचान दस्तावेज प्राप्त करना गंभीर चिंता का विषय है।

लूथरा ब्रदर्स गिरफ्तारी से बचने के लिए अदालत पहुंचे

नई दिल्ली ,गोवा नाइट क्लब अग्निकांड मामले के मुख्य आरोपी लूथरा ब्रदर्स गिरफ्तारी से बचने के लिए कोर्ट की शरण में पहुंचे हैं। नाइट क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा ने विदेश भागने के बाद दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। ये याचिका अपने वकील के जरिए दाखिल कराई है। याचिका में कोर्ट से जमानत देने की अपील की गई है। वहीं, पुलिस ने लूथरा ब्रदर्स के करीबी और बिजनेस पार्टनर अजय गुप्ता को गोवा पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। अजय गुप्ता ने गिरफ्तारी के बाद पुलिस को बताया कि वो क्लब में सिर्फ बिजनेस पार्टनर है। उसे कुछ नहीं पता। गोवा पुलिस अजय गुप्ता को साकेत कोर्ट में पेश कर इसका ट्रांजिट रिमांड लेगी। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच गोवा पुलिस को सिर्फ असिस्ट कर रही है। वहीं लूथरा ब्रदर्स ने रोहिणी कोर्ट में एंटीसिपेटरी बेल लगाई है।

देश को विभाजित करने वाले जयचंद और मीरजाफर जैसे पापी : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर ,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर समाज और देश को विभाजित करने वालों से सावधान रहने का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसे लोग जयचंद और मीरजाफर जैसा पाप कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तोड़ने के लिए बहुत से लोग हैं। कोई जाति के नाम पर, कोई क्षेत्र और कोई भाषा के नाम पर बांट रहा है। समाज और देश तोड़क इन तत्वों को जब सत्ता में आने का मौका मिलता है तो वे सिर्फ अपने और परिवार के बारे में सोचते हैं। परिवार के लिए प्रॉपर्टी, विदेश में होटल और द्वीप खरीदते हैं। ऐसे लोग देश को दरिद्र करने का षड्यंत्र करते हैं। जाति, क्षेत्र आदि के नाम के तात्कालिक लॉलीपॉप से समाज और देश का कल्याण नहीं हो सकता। देश का कल्याण तभी होगा, जब भेदभाव नहीं होगा, सबमें एकता होगी। मुख्यमंत्री योगी

मंगलवार को सैनिक स्कूल गोरखपुर में देश के पहले सीडीएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) जनरल बिपिन रावत के नाम पर बने ऑडिटोरियम के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बिपिन रावत की प्रतिमा का भी अनावरण किया और महान सैन्य नायक को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस प्रतिमा की स्थापना जनरल बिपिन रावत की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर जीबीआर मेमोरियल फाउंडेशन ऑफ इंडिया की तरफ से कराई गई है। मुख्यमंत्री ने जनरल बिपिन रावत के जीवन पर आधारित एक पुस्तिका का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जनरल बिपिन रावत के व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा को याद किया तथा देश के समसामयिक हालात पर भी चर्चा करते हुए विकसित भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिलाए गए पंच प्रणों को अपनाने की अपील की। सीएम योगी ने कहा कि आजादी के अमृत वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री मोदी ने आह्वान किया था कि आजादी के शताब्दी वर्ष तक हमें कैसा भारत चाहिए, इसके लिए एक कार्ययोजना बनाकर आगे बढ़ना होगा।

ड्रोन शो ने रचा इतिहास, ग्लोबल समिट में बना गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

हैदराबाद , तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के समापन समारोह में मंगलवार रात अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जब 3,000 ड्रोन ने आसमान में दुनिया का सबसे लंबा वायु-आकृति वाक्य बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। ड्रोन ने राज्य की विजन 2047 महत्वाकांक्षा को शानदार तरीके से प्रदर्शित किया। यह मंत्रमुग्ध कर देने वाला शो उभरते भारत फ्यूचर सिटी स्थल पर आयोजित हुआ, जैसे ही मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने विज़न 2047 दस्तावेज़ का अनावरण किया।

इससे पहले कार्यक्रम में एक रोबोट ने सबसे अधिक सबका ध्यान खींचा, जिसने मंच पर मुख्यमंत्री को विजन 2047 दस्तावेज़ सौंपा। तकनीक व नवाचार के प्रतीक के रूप में यह पल खूब चर्चित रहा। पूर्व आरबीआई गवर्नर दुव्वुरी सुब्बाराव, पूर्व मुख्य आर्थिक

सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम, नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा, तेलुगू सुपरस्टार चिरंजीवी और अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि 2014 में गठन के बाद से तेलंगाना की प्रगति दुनिया के लिए मिसाल बन चुकी है। उन्होंने कहा, प्रारंभिक संघर्षों से आगे बढ़कर तेलंगाना आज तकनीक, कृषि और समावेशी विकास का वैश्विक केंद्र बन चुका है। वहीं, आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि विज़न डॉक्यूमेंट शासन में पारदर्शिता, समावेश और कुशल तकनीक को केंद्र में रखकर आगे बढ़ने की मजबूत नींव रखता है। उन्होंने कहा कि सफल कार्यान्वयन, सतत मूल्यांकन और समय पर सुधार ही आगे की दिशा तय करेंगे। अरविंद सुब्रमण्यम के अनुसार तेलंगाना केवल भारत के नक्शे पर ही नहीं, बल्कि वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में भी पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि विज़न 2047 राज्य की प्रगति को आईटी-केंद्रित अर्थव्यवस्था से जन-केंद्रित तकनीकी पारिस्थितिकी की ओर ले जाएगा। सुब्बा राव ने कहा कि तेलंगाना आज भारत का नंबर 1 विकासशील राज्य के रूप में उभर रहा है और हैदराबाद फ़ार्मा, बायो और सर्विस सेक्टर का वैश्विक हब बन चुका है।

एनसीआर में आठ दिन बाद थोड़ी राहत

नोएडा ,राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में लगातार आठ दिनों तक अति-गंभीर प्रदूषण स्तर झेलने के बाद मंगलवार को हवा की रफ्तार बढ़ने से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में मामूली सुधार दर्ज किया गया है। नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 'ऑरेंज और 'रेड के बीच उतार-चढ़ाव करता दिखा। हालांकि विशेषज्ञों ने इसे अस्थायी राहत बताया है। नोएडा में पीएम2.5 स्तर में गिरावट, कई स्टेशन ऑरेंज श्रेणी में दर्ज किए गए। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 की शुरुआत से 8 दिन लगातार एक्यूआई 'रेड श्रेणी में रहा। 1 दिसंबर को नोएडा में पीएम2.5 का स्तर 321 दर्ज किया गया, 2 दिसंबर को यह 395, 3 दिसंबर को 365, जबकि 6 दिसंबर तक अधिकांश दिन 300 से ऊपर ही रहा। 9 दिसंबर को पहली बार सूचकांक में गिरावट दिखी और पीएम2.5 स्तर 285 पर आ गया, जो 'ऑरेंज श्रेणी में आता है। नोएडा में बुधवार के एक्यूआई की बात करें तो सेक्टर-125 में 296, सेक्टर-62 में 236, सेक्टर-116 में 294 दर्ज किया गया।

सीकर में दर्दनाक हादसा : स्लीपर बस और ट्रक की भिड़ंत में 4 की मौत

जयपुर ,बीकानेर हाईवे पर देर रात मचा हाहाकार, 7 घायलों की हालत गंभीर सीकर। जिले के फतेहपुर क्षेत्र में मंगलवार देंर रात जयपुरझबीकानेर नेशनल हाईवे पर स्लीपर बस और तेज रफ्तार ट्रक की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में 4 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 28 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें 6 की हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है। मरने वालों में बस ड्राइवर और कंडक्टर भी शामिल हैं। हादसा रात करीब 10:40 बजे हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और कई यात्री सीटों के नीचे व मलबे में फंस गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि जोरदार धमाके के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई।

गुजरात के यात्री वैष्णो देवी से लौट रहे थे

बस में सवार सभी यात्री वलसाड (गुजरात) के रहने वाले थे। सभी वैष्णो देवी दर्शन कर लौट रहे थे और खाटूश्यामजी जा रहे थे। बस में करीब 50 लोग सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक झुंझुनूं की ओर से आ रहा ट्रक तेज रफ्तार में था और सीधे बस में घुस गया। सबसे अधिक चोट बस के आगे वाले हिस्से और उसके पीछे बैठे यात्रियों को आई। कई घायलों के शरीर में शीशे और मेटल के टुकड़े धँस गए।

सम्पादकीय

कालनेमियों का चिन्हीकरण

धर्म को ढाल बनाकर कुछ लोग ऐसे असामाजिक कार्य करते हैं जो न केवल अंधविश्वास और धर्म की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं बल्कि धर्म को अपराध से भी जोड़ देते हैं। इनमें ऐसे लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है जो अपने अपराधों को छुपाने के लिए धर्म का चोला पहनने की कोशिश करते हैं और श्रद्धा और भक्ति के नाम पर आमजन को गुमराह करते हैं। देशभर में ऐसे ना जाने कितने ही ढोंगी लोगों को बेनकाब किया जा चुका है जिन्होंने अपनी हरकतों से सनातन धर्म को खंडित किया है और धर्म के नाम पर धन बल का अच्छा खासा साम्राज्य भी जोड़ लिया है। इनमें कुछ लोग जेल में है तो कुछ अभी भी धार्मिक भावनाओं को भुनाकर अपनी जेबें गर्म कर रहे हैं। उत्तराखंड में धन की आड़ में गलत धंधे करने वालों को अब राज्य सरकार उनकी सही जगह दिखाने की तैयारी कर रही है। कावड़ के समय राज्य सरकार ने "ऑपरेशन कालनेमि" शुरू करने का ऐलान किया था जो ऐसे ढोंगियों की पोल खोल रहा है। खुद सरकार इस विषय को लेकर काफी गंभीर नजर आ रही है।"ऑपरेशन कालनेमि" देवभूमि से छद्म भेषधारी राक्षसों के सफाए करने वाला अचूक हथियार साबित हो सकता है लेकिन जरूर यह है कि पूरे उत्तराखंड में साधु वेश में घूम रहे ऐसे लोगों का सत्यापन एवं असली पहचान कैसे हो पाएगी? नकली धार्मिक चोला ओढ़कर देवभूमिवासियों की भावनाओं से अपराधिक खिलवाड़ करने वालों को बेनकाब करना जरूरी है क्योंकि यह विषय सीधे तौर पर आस्था और भक्ति से जुड़ा हुआ है, अक्सर ऐसे लोगों की चपेट में आकर श्रद्धालुओं का धर्म के प्रति विश्वास भी खंडित होता है। धर्म की आड़ में लोगों को ठगने और उनकी भावनाओं से खिलवाड़ करने वाले नकली भेषधारियों के लगातार अपराधिक मामले सामने आते हैं, जिसको लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा कार्रवाई भी की जाती हैं, लेकिन फिर भी ऐसे मामलों पर कड़े ऐक्शन लेने की जरूरत महसूस की जाती रही है। प्रदेश सरकार का इस अभियान की शक्ल में "ऑपरेशन कालनेमि" शुरू करना बहुत सराहनीय कदम है। ऐसी घटनाओं से अपराधिक घटनाओं के अतिरिक्त लोगों की धार्मिक भावनाएं भी आहत होती है और राज्य का माहौल भी खराब होता है। उस पर देवभूमि की छवि के अनुसार ऐसे सभी प्रकरण पूरी तरह से अक्षम्य है, जिनपर लगाम लगाना बहुत आवश्यक है। देवभूमि के स्वरूप को बरकरार रखते हुए उसे समृद्ध बनाना सरकार की जिम्मेदारी है। जिसके फलस्वरूप ही सरकार ने यूसीसी, धर्मांतरण और दंगारोधी कानून के साथ अवैध धार्मिक अतिक्रमणों पर कठोर कार्रवाई जैसे ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। ऑपरेशन कालनेमि को ऐसा मजबूत बनाना होगा कि धर्म का चोगा पहन कर कोई भी रावण या कालनेमि जैसा उसका कोई कपटी सहयोगी, अब साधु संत बनकर समाज को ठगने का दुस्साहस न कर पाए। साधु वेश में घूम रहे एवं दुकान सजाए बैठे ढोंगियों की पहचान जरूरी है और इसमें स्थानीय लोगों को भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए संदिग्धों एवं बहुरूपियों की चिन्हित करना चाहिए, ताकि भविष्य के खतरों से बचा जा सके।

सरकारी ऐप्स की सुरक्षा भगवान भरोसे

अजीत द्विवेदी

केंद्र सरकार ने 'संचार साथी ऐप हर स्मार्ट फोन में प्री इंस्टाल कराने का आदेश वापस ले लिया है। जितने सहज तरीके से सरकार इस मामले में पीछे हटी है वह मामूली नहीं है। यह हैरान करने वाली बात है कि भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार की ओर से इस मामले में कोई प्रतिरोध ही नहीं किया गया। पहले दिन एक आदेश जारी हुआ, जिसमें कहा गया कि तीन महीने में हर स्मार्ट फोन में 'संचार साथीइ ऐप इंस्टाल होकर आएगा और पुराने फोन में सॉफ्टवेयर अपडेट करने पर यह इंस्टाल हो जाएगा। कहा गया कि यह ऐप फोन चोरी हो जाने पर उसे खोजने में मदद करेगा और साइबर फ्रॉड से बचाएगा। जब इसका विरोध हुआ तो एक दिन दूरसंचार मंत्री ने कहा कि इस ऐप को डिलीट करने का विकल्प यूजर्स के पास होगा। इसके बाद भी विरोध जारी रहा तो अगले दिन संचार विभाग ने कहा कि यह ऐप प्री इंस्टाल नहीं होगा। लोग चाहें तो इसे डाउनलोड करके इंस्टाल कर सकते हैं।

सवाल है कि क्या सरकार को नहीं पता था कि अगर किसी ऐप को हर स्मार्टफोन में अनिवार्य करने का आदेश दिया जाएगा तो उसका विरोध होगा? सरकार को निश्चित रूप से पता था। उसको यह भी पता था कि विपक्ष भारत को सर्विलेंस स्टेट बनाने के आरोप लगाएगा। फिर भी सरकार की ओर से यह आदेश जारी किया गया। इसका अर्थ है कि सरकार लोगों को आजमा रही थी। विपक्ष को भी आजमा रही थी। सरकार यह देखने का प्रयास कर रही थी कि ऐसे किसी कदम का कितना विरोध हो सकता है। ऐसा मानने का कारण यह है कि अगर सरकार इस आदेश को लेकर गंभीर होती तो इतनी आसानी से पीछे नहीं हटती। दूसरा कारण यह है कि संचार विभाग की ओर से जो तर्क दिया गया है वह बहुत लचर है। संचार विभाग ने कहा है कि डेढ़ करोड़ लोगों ने इसे डाउनलोड कर लिया है, इसका अर्थ है कि इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है इसलिए इसको अनिवार्य करने का फैसला वापस लिया जा रहा है।

सोचें, कहां तो सौ करोड़ स्मार्टफोन्स में ऐप प्री इंस्टाल कराना था और कहां डेढ़ करोड़ डाउनलोड पर सरकार संतुष्ट हो गई? उस डेढ़ करोड़ डाउनलोड में भी कितना ऐप एक्टिवेट होगा और कितना डिएक्टिवेट रहेगा यह पता नहीं है। तभी लग रहा है कि 'संचार साथीइ ऐप को लेकर दिया गया आदेश तदर्थ था और एक प्रयोग था, यह इससे भी साबित होता है कि इस बारे में कोई तकनीकी जानकारी नहीं दी गई। ध्यान रहे इस ऐप का जो दायरा है उससे साफ था कि सिम लेने के लिए इस्तेमाल की गई आईडी के साथ साथ मोबाइल नंबर, यूजर की लोकेशन, डिवाइस की पहचान यानी आईएमईआई का डाटा सरकार के पास रहेगा। लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि डाटा कितने समय तक और कहां सुरक्षित रखा जाएगा। ऐप का सोर्स कोड पता नहीं है और न स्टोरेज को सुरक्षित रखने के लिए किस स्तर का इनक्रिप्शन हो रहा है यह स्पष्ट है। इसकी निगरानी किसके पास होगी और कौन कौन एजेंसी या लोग इसके डाटा को एक्सेस कर पाएंगे यह भी नहीं बताया गया है। यह डाटा किसी थर्ड पार्टी को उपलब्ध हो सकता है या इसका कारोबारी इस्तेमाल हो सकता है, इस बारे में भी स्पष्टता नहीं है। अगर सरकार गंभीर होती तो इन सबके बारे में पहले से बताया जाता।

सरकार को यह भी पता था कि अगर यह आदेश लागू किया गया तो कानूनी रूप से इसे अवैध घोषित कर दिया जाएगा। ध्यान रहे सुप्रीम कोर्ट ने पुत्तुस्वामी केस में 2017 में निजता को लेकर एक अहम फैसला सुनाया था। इसमें सवीच्च अदालत ने लीगलिटी यानी वैधता, नीड यानी आवश्यकता और प्रोपोर्शनलिटी यानी अनुपात के तीन पैमाने तय किए थे। निजता के मामले में सरकार के हर आदेश को इन तीन कसौटियों पर कसने की जरुरत है। जहां तक वैधता की बात है तो सरकार संसद से कानून बनाने का रास्ता नहीं ले रही थी। वह सीधे एक कार्यकारी आदेश से इसे 'संचार साथीइ ऐप को हर फोन में इंस्टाल करना चाह रही थी। आवश्यकता की जहां तक बात है तो इसे अनिवार्य करने का आदेश देकर सरकार अपनी कमजोरी जाहिर कर दी। सरकार का आदेश यह साबित कर रहा था कि ऐसे किसी कदम के बिना वह साइबर सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाएगी। जहां तक अनुपात की बात है तो वह सबको दिख रहा है कि सरकार इससे जितनी सुरक्षा सुनिश्चित करेगी उससे ज्यादा खतरा बढ़ा देगी। सो, तीनों कसौटियों पर सरकार का आदेश खारिज हो जाता।

सरकार को यह भी पता था कि अगर यह आदेश लागू किया गया तो कानूनी रूप से इसे अवैध घोषित कर दिया जाएगा। ध्यान रहे सुप्रीम कोर्ट ने पुत्तुस्वामी केस में 2017 में निजता को लेकर एक अहम फैसला सुनाया था। इसमें सवीच्च अदालत ने लीगलिटी यानी वैधता, नीड यानी आवश्यकता और प्रोपोर्शनलिटी यानी अनुपात के तीन पैमाने तय किए थे। निजता के मामले में सरकार के हर आदेश को इन तीन कसौटियों पर कसने की जरुरत है। जहां तक वैधता की बात है तो सरकार संसद से कानून बनाने का रास्ता नहीं ले रही थी। वह सीधे एक कार्यकारी आदेश से इसे 'संचार साथी ऐप को हर फोन में इंस्टाल करना चाह रही थी। आवश्यकता की जहां तक बात है तो इसे अनिवार्य करने का आदेश देकर सरकार अपनी कमजोरी जाहिर कर दी।

ऐसा लग रहा है कि सरकार यह देखना चाहती थी कि किसी आपदा में कितना अवसर बन सकता है। ध्यान रहे साइबर फ्रॉड एक आपदा की तरह है। हर दिन कहीं न कहीं किसी को डिजिटल अरेस्ट करके ठगी करने का मामला सामने आ रहा है या क्रेडिट व डेबिट कार्ड का डाटा चुरा कर खातों से पैसे निकाल लेने की खबरें आ रही हैं। हजारों करोड़ रुपए साइबर फ्रॉड के जरिए हर साल लूटे जा रहे हैं। इसका एक बड़ा कारण यह है कि सरकार ने साइबर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए बगैर डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा दिया। और जब साइबर क्राइम महामारी बन गया तो उसे रोकने के बहाने 'संचार साथीइ ऐप लेकर आ गई! याद करें कैसे कोरोना की महामारी के समय केंद्र सरकार ने 'आरोग्य सेतुइ ऐप को अनिवार्य करने का प्रयास किया था। उस समय भी इसका भारी विरोध हुआ तो सरकार पीछे हटी। 'संचार साथीइ ऐप के मामले में भी सरकार पीछे हट गई है। लेकिन ऐसा लग रहा है लोगों की जानकारी जुटाने के काम से सरकार पीछे नहीं हटी है। 'केवाईसीइ की मजबूरी भी एक महामारी की तरह लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है।

ध्यान रहे स्मार्टफोन में बहुत सारे ऐप बाई डिफॉल्ट इंस्टाल होते हैं। लेकिन लोगों के पास उन्हें डिलीट करने का विकल्प होता है। जिस ऐप को डिलीट करने का विकल्प नहीं दिया जाता है उसका पूरी दुनिया में विरोध होता है। जैसे गूगल के स्मार्टफोन में इंटरनेट ब्राउजर के तौर पर क्रोम के इंस्टाल होने का होता है। सरकार को यह पता है कि इस तरह से हर फोन में कोई ऐप अनिवार्य रूप से इंस्टाल करने के क्या खतरे हैं और क्या चुनौतियां हैं। फिर भी सरकार ने इसकी पहल की। तभी ऐसा लग रहा है कि सरकार लोगों के प्रतिरोध को आजमाना चाहती थी। वह ठहरे हुए पानी में कंकड़ फेंक कर यह देखना चाहती थी कि कितनी लहर उठती है। जब लहर उंची उठी तो सरकार एक एक कदम करके पीछे हट गई, उसने यू टर्न ले लिया। लेकिन तय मानें कि यह प्रयोग समाप्त नहीं हुआ है।

करोड़ों लोग जो स्वेच्छा से इसे डाउनलोड करके इंस्टाल करेंगे, उनके फोन में प्रायोगिक तौर पर इसका इस्तेमाल होगा। इस ऐप को जिस तरह के एक्सेस देने की बात है उससे लग रहा है कि यह व्यक्ति के हर कदम की निगरानी कर सकता है। उसे कैमरे से लेकर लाइब्रेरी यानी स्टोरेज और माइक से लेकर कॉल और मैसेज लॉग तक का एक्सेस देना होगा। इसका मतलब है कि ऐप न सिर्फ यूजर की लोकेशन बता सकता है, बल्कि फोन सुन सकता है, सारे मैसेज पढ़ सकता है, स्टोरेज में रखे फोटो, वीडियो देख सकता है और फोन रखने वाले के फिटनेस व उसकी सेहत से जुड़े सारे आंकड़े भी देख सकता है। सोचें, यह किसी भी व्यक्ति की निजता और उसकी सुरक्षा के लिए कितनी बड़ी चुनौती है!

यह सिर्फ निजता के लिए खतरा नहीं पैदा कर रहा है, बल्कि हर व्यक्ति को एक साथ साइबर अटैक का शिकार बनने के खतरे में भी डालता है। अगर एक सरकारी ऐप करोड़ों लोगों के फोन में हो और कोई हैकर उसी ऐप को टारगेट करके अटैक करे तो एक साथ कितने लोगों का नुकसान कर सकता है? एक साथ करोड़ों फोन हैक किए जा सकते हैं। एक साथ करोड़ों लोगों के निजी व वित्तीय डाटा चुरा कर उसका दुरुपयोग किया जा सकता है।

लाखों लोगों को ब्लैकमेल किया जा सकता है। ऐसे अनगिनत खतरे हैं, जिनकी संभावना साफ दिख रही है। यह खतरा ज्यादा इसलिए है क्योंकि सरकारी ऐप्स की सुरक्षा भगवान भरोसे होती है।

भारत की जमीन पर चीन का दावा

हरिशंकर व्यास

पिछले दिनों दुनिया ने देखा और सुना कि ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय मूल की एक महिला को किस तरह शंघाई हवाईअड्डे पर 18 घंटे तक रोक रखा गया और उसके भारतीय पासपोर्ट को अवैध बताया गया। कारण क्या था? कारण यह था कि पासपोर्ट पर उस महिला का जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश लिखा हुआ था। चीन ने उस महिला से कहा कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है इसलिए वहां जन्मी किसी व्यक्ति का पासपोर्ट भारत नहीं जारी कर सकता है। उस महिला को बुरी तरह से परेशान किया गया। उसे पानी खरीदने तक से रोका गया। उसकी फ्लाइट छूट गई तो दूसरी फ्लाइट की टिकट खरीदने से रोका गया। बाद में किसी तरह उसने ब्रिटेन में भारतीय दूतावास से संपर्क किया तो उसको वहां से निकाला जा सका। लेकिन उसके अगले दिन चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने भारत के अभिन्न अंग अरुणाचल प्रदेश को जांगनान बताते हुए कहा कि यह चीन का हिस्सा है और चीन इस पर भारत के कब्जे को मान्यता नहीं देता। चीन पहले भी इस तरह का दावा कर चुका है। इतना ही नहीं आए दिन चीन की सरकार अरुणाचल प्रदेश के अलग अलग हिस्सों के नाम बदलती रहती है। कभी अरुणाचल के किसी पहाड़ का तिब्बती नाम रख दिया जाता है तो कभी किसी नदी का नाम बदल दिया जाता है तो कभी किसी कस्बे का नाम बदल दिया जाता है। चीन अब तक दर्जनों नदियों, पहाड़ों, कस्बों और गांवों के नाम बदल चुका है। जब भी वह ऐसा करता है तो भारत की ओर से एक लाइन की प्रतिक्रिया दी जाती है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और चीन के दावा करने से अरुणाचल उसका नहीं हो जाएगा। सोचें, चीन इसी तरह के दावे करते करते हुए पूर्वी लद्दाख के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर चुका है। भारत की ओर से भले कहा जाएगा कि कोई भारतीय सीमा में नहीं घुसा है लेकिन हकीकत है कि चीन ने जून 2020 में गलवान घाटी में झड़प के बाद उस इलाके में भूगोल बदल चुका है। भारत की सेना पहले जहां तक गश्त करती थ, कई जगह वह इलाका बफर जोन में बदल चुका है। इसी तरह अरुणाचल प्रदेश में चीन लंबे समय से अपने पैर फैला रहा है और भाजपा के सांसद व प्रदेश अध्यक्ष रहे तापिर गाओ ने संसद में खड़े होकर कहा कि भारत की सीमा में 50 किलोमीटर से ज्यादा अंदर चीन के सैनिक घुसे हुए हैं। उन्होंने सड़कें और पुल बनाए हैं। डोकलाम में जो हुआ वह भी पूरे देश ने देखा। क्या इन सबके बावजूद भारत ने कभी चीन के साथ ऐसा कुछ करने का प्रयास किया? भारत के नेताओं के मुंह से चीन का नाम तक नहीं निकलता है। जब चीन अरुणाचल प्रदेश के हिस्सों के नाम बदलता है उसी समय क्या भारत की ओर से अक्साई चिन के उस हिस्से की मांग चीन से नहीं करनी चाहिए, जो पाकिस्तान ने उसे सौंप दी है? अक्साई चिन ऐतिहासिक रूप से भारत का हिस्सा है। लेकिन भारत उस पर दावा नहीं करता है। पीओके लेने की बात कही जाती है तो यह नहीं कहा जाता है कि चीन के कब्जे वाला इलाका भी लेंगे। भारत की ओर से कभी तिब्बत के समर्थन में एक शब्द नहीं निकलता है, जिसे पिछले सदी के पांचवे दशक में चीन ने कब्जा लिया। चार हजार किलोमीटर की लंबी सीमा तिब्बत की थी और वह भारत के लिए बफर का काम करता था। लेकिन भारत तिब्बतियों के अधिकार के समर्थन में नहीं खड़ा होता है। यहां तक कि ताइवान पर चीन के आक्रमणकारी बरताव पर भी भारत खामोश रहता है। उलटे भारत की ओर से लगातार चीन के साथ कारोबार बढ़ाया जा रहा है। भारत अपनी रोजमर्रा की जरुरतों से लेकर तकनीकी, कृषि व ऑटोमोबाइल जरुरतों के लिए लगभग पूरी तरह से चीन से आयात पर निर्भर हो गया है। अकेले चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा एक सौ अरब डॉलर सालाना की सीमा पार कर गया है। चीन आक्रांत है। वह भारत की जमीन पर दावा करता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का विरोध करता है। पाकिस्तान की खुलेआम मदद करता है। पिछले ही दिनों ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने अपनी तकनीक पाकिस्तान को दी। अमेरिकी संसद को रिपोर्ट देने वाली एक संस्था ने बताया है कि चीन ने अपनी युद्ध तकनीक का लाइव परीक्षण उस युद्ध के दौरान कराया। इसके बावजूद भारत न सिर्फ चीन की ज्यादतियों पर चुप रहता है, बल्कि उसके साथ लगातार कारोबार बढ़ाता जा रहा है। भारत के सारे शीर्ष मंत्री पिछले कुछ दिनों में चीन होकर आए हैं। सोचें, कैसी कूटनीति है कि अमेरिका ने टैरिफ बढ़ाया तो उससे व्यापार संधि फाइनल करने की बजाय भारत ने चीन और रूस से दोस्ती बढ़ानी शुरू कर दी और उनके साथ व्यापार बढ़ाने की बातें शुरू कर दीं।

आदि साई कुमार फिल्म शम्भाला—ए मिस्टिकल वर्ल्ड का ट्रेलर रिलीज़, 25 दिसंबर को होगी रिलीज़

आदि साई कुमार एक दिलचस्प और रोमांचक एंटरटेनर शम्भाला– ए मिस्टिकल वर्ल्ड लेकर आ रहे हैं। उगंधर मुनि द्वारा डायरेक्ट की गई यह फिल्म 25 दिसंबर 2025 को क्रिसमस स्पेशल के तौर पर रिलीज़ हो रही है। मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ किया। पैन इंडिया स्टार प्रभास ने ट्रेलर रिलीज़ किया और मेकर्स को शुभकामनाएं दीं। ट्रेलर एक वॉइस ओवर से शुरू होता है और फिर दर्शकों को हज़ारों साल पहले भगवान शिव और एक खतरनाक राक्षस के बीच हुई एक भयानक लड़ाई की जड़ों में ले जाया जाता है। इस कॉस्मिक लड़ाई के दौरान, शिव का पसीना धरती पर गिरने से एक भयानक धमाका होता है, जिससे एक रहस्यमयी आसमानी घटना पैदा होती है। अग्नि पुराण के अनुसार, ऐसी कॉस्मिक लड़ाइयाँ जानवरों के ज़रिए भी दिखने वाली अंधेरी ताकतों को जगा सकती हैं।

आदि साई कुमार एक ऐसे नौजवान के रोल में दिख रहे हैं जो एक दूर–दराज के गांव में हो रही रहस्यमयी घटनाओं को सुलझाने निकला है। सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड म्यूज़िक ने सीन को और भी दिलचस्प बना दिया है। साई कुमार ने वॉइस ओवर दिया है और इससे ज़बरदस्त असर पड़ा है। अर्चना अय्यर, स्वासिका, रवि वर्मा, मधुनंदन, और शिवा कार्तिक और दूसरों को ट्रेलर में दिखाया गया है।

श्रीचरण पकाला ने म्यूज़िक ट्यून किया है जबकि सिनेमैटोग्राफी प्रवीण के बंगारी ने की है।

अली फजल की नई वेब सीरीज राख का ऐलान, सामने आई अभिनेता की पहली झलक

बॉलीवुड स्टार अली फजल को उनके किरदार मुन्ना भैया के लिए लोग याद करते हैं। उनकी लेटेस्ट सीरीज का अनाउंसमेंट हो गया है। अली फजल की नई सीरीज का नाम होगा राख। इसमें वो एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में दिखाई देंगे। 'राख् एक इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर है। सीरीज के पहले पोस्टर को आज इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'राख से निकलेगा न्याय, नई ओरिजिनल सीरीज प्राइम वीडियो पर 2026 में आएगी। इसके पहले पोस्टर में अली फजल हैरानी से किसी चीज को निहारते दिख रहे हैं। उनकी आंखों में मुन्ना भैया वाला खौफ कम और हैरानी अधिक दिख रही है। इसके बैकग्राउंड में एक पुरानी पुलिस की जीप खड़ी है और साथ में कुछ पुलिस वाले दिखाई दे रहे हैं। वर्दी में अली फजल काफी दमदार दिख रहे हैं। इससे ये कहा जा सकता है कि ये सीरीज भी काफी धमाकेदार होगी। इसमें सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर भी अहम रोल निभाएंगे। पहले पोस्टर को देखने के बाद लोग भी इस पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। इसे लाइक करते हुए वो इस सीरीज को देखने के लिए उत्साहित दिखे। कइयों ने फायर इमोजी भी शेयर की है।

एशेज सीरीज 2025—26: तीसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, पैट कमिंस की हुई वापसी

नईदिल्ली, एशेज सीरीज 2025–26 का तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से खेला जाना है, जिसके लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का ऐलान किया गया है। एडिलेड टेस्ट की 15 सदस्यीय टीम में कप्तान पैट कमिंस की वापसी हुई है। बता दें कि कमिंस सीरीज के शुरुआती 2 टेस्ट में नहीं खेले थे और उनकी गैरमौजूदगी में स्टीव स्मिथ की कप्तानी में मेजबान टीम ने दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज की थी। आइए ऑस्ट्रेलिया की टीम पर एक नजर डालते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पिछले हफ्ते गाबा टेस्ट के लिए चुने जाने के करीब थे, लेकिन उन्होंने वापसी के लिए कोई जोखिम नहीं लिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम के प्रमुख कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, वह हमारी सोच से कहीं आगे थे। हमें लगता है कि वह एडिलेड की चुनौतियों के लिए अच्छी स्थिति में होंगे। मेरा मानना है कि नेट्स में अभ्यास करके उन्होंने खुद को तैयार कर दिया है। उनका शरीर खेलने के लिए तैयार है। उस्मान ख्वाजा ने भी टीम में अपनी जगह बनाए रखी है। वह पर्थ में खास प्रदर्शन नहीं कर सके और पीठ की चोट की वजह से गाबा टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे। मैकडोनाल्ड ने कहा कि ब्रिस्बेन में नेट्स पर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। उन्होंने कहा, ख्वाजा फिट और उपलब्ध होने चाहिए। ऐसा माना जाता है कि वह सिर्फ ओपनिंग ही कर सकते हैं। हालांकि, वह किसी भी नंबर पर खेल सकते हैं।

कमिंस कमर में खिंचाव की चोट की वजह से लंबे समय से टेस्ट नहीं खेले हैं। उन्होंने इस साल जुलाई में सबीना पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद से कोई क्रिकेट नहीं खेला है। तीसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमः पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, और ब्यू वेबस्टर। इंग्लैंड को पर्थ में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में 8 विकेट से शिकस्त मिली थी।

बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर का धमाका, तीन दिनों में 150 करोड़ पार हुआ वर्ल्डवाइड कलेक्शन

भारत में एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है और इसकी वजह है आदित्य धर निर्देशित स्पाई–एक्शन थ्रिलर 'धुरंधरइ, जिसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त जैसे दिग्गज कलाकार एक साथ नजर आए हैं। 5 दिसंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने शुरुआती तीन दिनों में ऐसा तूफान मचाया कि कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड टूट गए। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि इस फिल्म का जलवा विदेशों में भी देखने को मिल रहा है।

फिल्म ने पहले ही दिन 28.60 करोड़ की मजबूत ओपनिंग लेकर यह संकेत दे दिया था कि दर्शक इसे खूब पसंद करने वाले हैं। शनिवार को दर्शकों की भीड़ और बढ़ी और कलेक्शन 33 करोड़ तक पहुंच गया। असली धमाका रविवार को हुआ, जब फिल्म ने लगभग 45 करोड़ का बिजनेस किया, जो इसके ओपनिंग वीकेंड का सबसे बड़ा आंकड़ा रहा। मेकर्स द्वारा शेयर किए गए पोस्टर के मुताबिक फिल्म ने भारत में अब तक 106.50 करोड़ का कलेक्शन कर लिया। महज तीन दिनों में फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है। इससे पहले इस साल सिर्फ छावा ही ऐसा कर पाई थी।

फिल्म के ग्रॉस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने भारत में 125.67 करोड़ कमा लिए हैं। हालांकि सोमवार सुबह तक फिल्म ने लगभग 72 लाख का कलेक्शन जोड़ लिया था।

आईसीसी रैंकिंगः विराट कोहली वनडे में दूसरी रैंक वाले बल्लेबाज बने, शीर्ष पर बरकरार हैं रोहित

नईदिल्ली, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने ताजा रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज विराट कोहली को फायदा हुआ है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में लगातार 2 शतक लगाने वाले कोहली रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। दिलचस्प रूप से कोहली अप्रैल 2021 के बाद से वनडे रैंकिंग में शीर्ष बल्लेबाज नही बन सके हैं। ऐसे में वह फिर से इस मुकाम को हासिल कर सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में कोहली ने 3 पारियों में 151.00 की औसत के साथ सर्वाधिक 302 रन बनाए, जिसमें 2 शतक शामिल हैं। उन्होंने 1 अर्धशतक भी लगाया। उनके स्कोर 65*, 102 और 135 रन रहे थे। उनके अब 773 रेटिंग अंक हो गए हैं। वही भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा शीर्ष पायदान पर बने हुए हैं। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित के 781 रेटिंग अंक हैं।

टी—20 अंतरराष्ट्रीयः दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रनों के लिहाज से भारत की 5 सबसे बड़ी जीत

नईदिल्ली,टी–20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय क्रिकेट टीम ने कई बार दक्षिण अफ्रीका को बड़े अंतर से मात देकर अपनी ताकत साबित की है। खासकर रनों के लिहाज से मिली विशाल जीतें यह दिखाती हैं कि भारत ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभागों में किस तरह दबदबा बनाया। भारतीय टीम ने कुछ मुकाबलों में दक्षिण अफ्रीका को पूरी तरह बैकफुट पर धकेला है। आइए रनों के लिहाज से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत रन नजर डालते हैं।

जोहान्सबर्ग में हुए मुकाबले में मेहमान टीम ने संजू सैमसन (109) और तिलक वर्मा (120) के शतकों से 283/1 का स्कोर बनाया। भारतीय टीम से अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ 18 गेंदों में 36 रन बनाए। जवाब में बड़े स्कोर का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम 18.2 ओवर में सिर्फ 148 रन पर सिमट गई। प्रोटियाज टीम से ट्रिस्टन स्टब्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। भारत से अर्शदीप सिंह ने 3 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2023 में खेले गए टी–20 में 106 रन से जीत दर्ज की थी। जोहान्सबर्ग में हुए मैच में मेहमान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के बाद 201/7 का स्कोर बनाया। भारतीय टीम से सूर्यकुमार यादव (100) और यशस्वी जायसवाल (60) ने शानदार पारियां खेली थी। जवाब में बड़े स्कोर का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका सिर्फ 95 रन पर सिमट गई थी।

एक नजर

सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) में बुधवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में सात राज्यों के 15 विश्वविद्यालय के 40 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। बतौर मुख्य अतिथि जीबी पंत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पौड़ी के निदेशक प्रो. विजय कुमार ने कहा कि रोबोटिक और एआई का मुख्य उद्देश्य लोगों के जीवन को सरल बनाना है। कहा कि विषम परिस्थितियों में हम रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से कार्यों को सुगम बना सकते हैं। गढ़वाल विवि अर्थ साइंस के डीन प्रो. एचसी नैनवाल ने एआई पर अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। डॉ. ओमप्रकाश और डॉ. प्रेम नाथ ने एआई टूल्स और पेटेंट प्रक्रिया पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम समापन पर गढ़वाल विवि के मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) के निदेशक प्रो. डीएस नेगी ने सात दिनों तक चले प्रशिक्षण कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। बताया कि पूरे कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक एआई टूल्स पर विस्तृत चर्चा की गई। (एजेंसी)

विधायक ने किया हॉट मिक्स कार्य का भूमि पूजन

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के डांग धारी मोटमार्ग के हाट मिक्स कार्य का बुधवार को देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने भूमि पूजन किया। 17 किमी. तक मोटर मार्ग के हाट मिक्स का कार्य 6 करोड़ 97 लाख 35 हजार रुपये की लागत से किया जायेगा। देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि पूर्व में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा की गई घोषणा के तहत मोटर मार्ग के हाट मिक्स का निर्माण कार्य किया जा रहा है। कहा कि वह अपने देवप्रयाग विधानसभा के गांव-गांव तक मूलभूत सुविधाओं सड़क, बिजली, पानी को पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मौके पर लोक निर्माण विभाग कीर्तिनगर के अधिशासी अभियंता धीरेंद्र कुमार, सहायक अभियंता मुनीष कुमार, संतोष उनियाल, प्रधान खोला शिवराज सिंह, प्रधान कपरोली दिनेश कुमार, क्षेत्र पंचायत सदस्य पारकोट चंद्रमोहन सिंह आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

मूलभूत स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में मानवाधिकारों की कल्पना अधूरी

श्रीनगर गढ़वाल : अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर गढ़वाल विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में मानवाधिकार और मानव स्वास्थ्य विषय पर बुधवार को कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने मानवाधिकारों के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया। शोधार्थी गौरव पडियार ने मानवाधिकारों की वर्तमान स्थिति पर कहा कि मूलभूत स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में मानवाधिकारों की कल्पना अधूरी है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकार को मानव गरिमा से सीधे जुड़ा हुआ बताया। बीएससी के छात्र अभिनव थपलियाल ने अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और व्यक्तिगत स्तर पर मानवाधिकारों की चुनौतियों पर चर्चा की। शोधार्थी ऋतिक ने कहा कि भारत सरकार कई कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाकर मानवाधिकारों को सुदृढ़ कर रही है। डॉ. सुभाष ने मानवाधिकारों की रक्षा में कर्तव्यों के पालन की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया और कहा कि यह नैतिकता पर आधारित होना चाहिए। डॉ. नरेश कुमार ने मानवाधिकारों के उदय में फ्रांसीसी क्रांति, अमेरिकी क्रांति और संयुक्त राष्ट्र की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय सेवा योजना के कॉर्डिनेटर डॉ. राकेश नेगी ने बताया कि मानवाधिकारों की आवश्यकता मानव द्वारा मानव के प्रति किए गए भेदभाव की उपज है। राजनीतिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एमएम सेमवाल ने पर्यावरणीय प्रदूषण वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण पर विस्तार से चर्चा की और आपदा प्रभावितों के अधिकारों पर प्रकाश डाला। बताया कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 केवल जीवन के अधिकार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गरिमामय जीवन की सुनिश्चितता का दावा भी करता है।

जिले की तीन ग्राम पंचायतें उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए सम्मानित

चमोली : विश्व शौचालय दिवस 2025 के अवसर पर बुधवार को स्वजल परियोजना की ओर से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चमोली जनपद की तीन ग्राम पंचायतों नन्दानगर ब्लॉक की घूनी व सरपाणी तथा दशोली ब्लॉक की हाट ग्राम पंचायत को सामुदायिक शौचालयों के उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए सम्मानित किया गया। चमोली जिले के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने इन तीनों ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने बताया कि सामुदायिक शौचालय कार्यक्रम के तहत घूनी, हाट और सरपाणी के शौचालयों का प्रबंधन सभी मानकों के अनुरूप पाया गया, जिसके आधार पर इन्हें चयनित कर सम्मानित किया गया।

जनता ने देखा आधुनिक बस अड्डे का सपना, सिस्टम ने दिया गड्ढा

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : दशकों बीत चुके हैं, लेकिन आधुनिक बस अड्डे के नाम पर कोटद्वार को केवल एक गड्ढा ही मिला है। नतीजा आमजन को पार्किंग सहित अन्य समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। ऐसे में कैसे शहर का विकास होगा यह बड़ा सवाल है।

सिस्टम के अदूरदर्शी निर्णय का खामियाजा आमजन को किस तरह भुगतना पड़ता है, इसका प्रत्यक्ष प्रमाण मोटर नगर में हुआ बड़ा गड्ढा है। आमजन ने मोटर नगर में आधुनिक बस अड्डे का सपना देखा और सिस्टम ने जनता को बस अड्डे की जगह एक गड्ढा थमा दिया। कई वर्ष बीत गए हैं, लेकिन आज तक सिस्टम ने इस गड्ढे को बस अड्डे में तब्दील करने की जहमत नहीं उठाई है। आलम यह है कि पार्किंग स्थल गड्ढे में दफन हो गया है और सड़कें पार्किंग में तब्दील हो गई हैं। व्यवसायिक वाहनों की बात करें, तो कोटद्वार क्षेत्र में वर्तमान में उत्तराखंड परिवहन निगम के पास पचास से अधिक बसे हैं। गढ़वाल मोटर्स ऑनर्स यूनियन के पास करीब तीन सौ बसों का बेड़ा है। इसके अलावा करीब चार सौ जीप-टैक्सियां और आठ सौ से अधिक तिपहिया वाहन सड़कों पर दौड़ते नजर आते हैं। लेकिन, अगर बात इन वाहनों की पार्किंग की करें तो वर्ष 2013 से बाद से आज तक आमजन को पार्किंग स्थल का इंतजार है। दरअसल, 23 मार्च 2013 को तत्कालीन नगर पालिका ने पीपीपी मोड पर मोटर नगर में आधुनिक बस टर्मिनल बनाने का कार्य एक निजी संस्था को सौंपा। संस्था ने मोटर नगर में बस अड्डे का निर्माण कार्य शुरू किया। पालिका ने मोटर नगर की 1.838 हेक्टेयर भूमि में से 1.5034 हेक्टेयर भूमि कंपनी को मुहैया करा दी। शर्तों के अनुरूप मार्च 2015 तक बस अड्डे का निर्माण पूर्ण कर नगर पालिका को सौंपा जाना था, लेकिन विभिन्न कारणों के चलते ऐसा न हो सका। अनुबंध में खामियों का ही परिणाम रहा कि कार्यदायी संस्था कार्य अधूरा छोड़ चलती बनी। कई वर्ष हो गए हैं, लेकिन न तो जन प्रतिनिधियों ने इस अधूरे निर्माण की सुध ली और न ही सरकारी तंत्र इस ओर ध्यान दे रहा है।

विधिक शिविर में छात्रों को बताएं अधिकार

जयन्त प्रतिनिधिसतपुली : सतपुली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी के दिशा निर्देशन पर मानव अधिकार दिवस के मौके पर हंस चिल्ड्रंस एकेडमी इंटर कॉलेज सतपुली में विधिक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सिविल जज जूनियर डिवीजन सतपुली सुश्री नेहा ने छात्रों को उनके अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने मानव अधिकार दिवस और महिला अपराध तथा पास्को एक्ट की जानकारी दी। इस अवसर पर थानाध्यक्ष सतपुली जगमोहन रमोला ने छात्र-छात्राओं को साइबर क्राइम, नशे के प्रति जागरूक किया। उन्होंने छात्रों से नशे से दूर रहने की अपील की। साथ ही सड़क सुरक्षा के नियम बताये। कार्यक्रम का संचालन करते हुए पीएलबी सतपुली पुष्पेंद्र राणा ने विधिक सेवा, विधिक सहायता, नालसा, सालसा व डालसा की योजनाओं के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका श्रीमती अंजलि बिजल्वाण, प्रबंधक कमलेश बिजल्वाण सहित शिक्षिक-शिक्षकाएं, छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पर्वत और ग्लेशियर वैश्विक जल सुरक्षा और जैव विविधता की अनमोल धरोहर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान के सहयोग से बीजीआर कैंपस के वनस्पति विभाग में बुधवार को दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वनस्पति विभाग के विभागाध्यक्ष डा. विक्रम नेगी ने पर्वतों के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि पर्वत दुनिया की आधी से अधिक आबादी को जल उपलब्ध कराते हैं और बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियरों का तीव्र पिघलना हिमालयी क्षेत्रों में जल संसाधनों और प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम को बढ़ा रहा है। कहा कि पर्वत और ग्लेशियर वैश्विक जल सुरक्षा और जैव विविधता की अनमोल धरोहर हैं।

कार्यक्रम में पर्वतीय पारस्थितिकी, जैव विविधता, ग्लेशियरों की बदलती स्थिति और उनके वैज्ञानिक प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में जल संसाधन प्रबंधन, पर्वतीय वन संरक्षण, ग्लेशियर निगरानी, जोखिम आंकलन और समुदाय आधारित संरक्षण रणनीतियों पर कई सत्र आयोजित किए गए।

छात्रों और शोधार्थियों ने पोस्टर प्रस्तुति, संवाद सत्र और फील्ड गतिविधियों में भाग लिया। निदेशक प्रो. यूसी गैरोला ने कहा कि जैव विविधता संरक्षण और पर्वतीय पारस्थितिकी को सुरक्षित रखने में युवा पीढ़ी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

भक्त शीतकालीन गद्दी स्थलों में पूजा करें : शंकराचार्य

चमोली : ज्योतिर्मठ नृसिंह मठांगन में भक्तों और ज्योतिषपीठ से जुड़े लोगों को संबोधित करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि आदिकाल से ही चारों धामों के ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन पूजा स्थल स्थापित हैं, लेकिन लंबे समय से कुछ माध्यमों से यह प्रचारित हुआ है कि ग्रीष्मकालीन पूजाएं पूरी होने पर व कपाट बंद होने के बाद पूजा यात्रा समाप्त हो जाती है, जबकि ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि सदियों से ग्रीमष्मकालीन एवं शीतकालीन यात्राएं चलती आयी हैं। उन्होंने कहा कि शीतकाल में भक्त शीतकालीन गद्दी स्थलों में पहुंचकर अपने आराध्यों की पूजा करें इससे भी समान फल प्राप्त होता है। शीतकालीन यात्रा के तहत तीन शीतकालीन धामों के दर्शन व पूजा कर ज्योतिर्मठ पहुंचे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती ने नृसिंह मंदिर में पूजा अर्चना कर अपनी शीतकालीन यात्रा का समापन किया। इस मौके पर वह भक्तों को संबोधित कर रहे थे। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द ने कहा कि आदि शंकराचार्य ने भारत में चार धर्म राष्ट्रों की स्थापना की है जिसमें से उत्तर धर्मराष्ट्र की राजधानी ज्योतिर्मठ को बनाया था, यहां से पूर्व कालखंड में सनातन धर्म का प्रचार प्रसार होता रहा है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि ज्योतिषपीठ से उत्तर विश्व के सनातन धर्मावलंबियों की जितनी भी आकांक्षाएं हैं उनकी पूर्ति वे करें। इसलिए अब यहां धर्म राजधानी के रूप में कार्य आरंभ किया जायेगा।

शंकराचार्य ने कहा कि उन्होंने नृसिंह भगवान के बदरी विग्रह का पूजन कर अपनी शीतकालीन यात्रा का समापन कर दिया है व वे देश दुनिया के सनातन धर्मावलंबियों से शीतकाल में नृसिंह बदरी एवं आराध्य शंकराचार्य की गद्दी के दर्शन और पूजन करने ज्योतिर्मठ आने का सभी को न्यौता देते हैं।

देश की प्रगति में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : संस्कृति भवन प्रेक्षागृह में बुधवार को एसजीआरआर स्कूल का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधाकय मुकेश कोली ने कहा कि आधुनिक दौर में युवा पीढ़ी तेजी से आगे बढ़ रही है और अपना लक्ष्य स्पष्ट कर सफलता की ओर अग्रसर है। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए कहा कि किसी भी देश की प्रगति में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि, पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश कोली ने दीप प्रज्वलन कर किया। वार्षिकोत्सव की शुरुआत स्वागत गीत के साथ हुई। इसके बाद स्कूली बच्चों ने गढ़वाली, कुमाऊंनी, पंजाबी, गुजराती, मराठी, हिमाचली, हरियाणवी और राजस्थानी लोकगीतों की आकर्षक प्रस्तुतियां मंचित कीं। बच्चों के दक्षिण भारतीय नृत्य, पेपर डांस, बॉलीवुड गीतों पर प्रस्तुतियां, भूम्याल देव कंडोलिया और अन्य जागरों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रेक्षागृह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा।

पांच उधमियों का राष्ट्रीय स्तरीय यस सम्मेलन के लिए चयन

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर उधमिता से जोड़ने और उनके व्यवसाय को नई दिशा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री उधमशाला योजना के हब कार्यालय कोटद्वार पौडी गढ़वाल में उत्तराखंड यस समिट का द्वतीय चरण का आयोजन किया गया। समिट में शामिल युवा उधमियों ने अपने-अपने अनुभव, उत्पादों की विशेताएं, उधम को बढ़ाने हेतु जरुरतों को ज्यूरी के समक्ष साझा किया। इस दौरान हुई प्रस्तुतियों के आधार पर पांच उधमियों का राष्ट्रीय स्तर के यस सम्मेलन हैदराबाद के लिए के चयन किया गया।

हब कार्यालय कोटद्वार में आयोजित राज्य स्तरीय यस समिटि में उपस्थित प्रतिभागी।

मंगलवार को ग्राम विकास द्वारा संचालित मुख्यमंत्री उधमशाला योजना के हब कार्यालय कोटद्वार में सेंटर फॉर यूथ डेवलपमेंट एक्टिविस, यूथ ऐड फाउंडेशन पुणे के सहयोग से राज्य स्तरीय यस समिट आयोजित हुई। समिट में गढ़वाल क्षेत्र के 33 युवा उधमियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। समिटि में हस्तशिल्प, फ़ूड डेरिवेटिव, होमस्टे आदि कई क्षेत्र से जुड़े उद्यमी शामिल रहे। प्रबंधक अजीत नैनवाल ने बताया कि राज्य स्तर पर चयनित इन उधमियों को फरवरी में हैदराबाद में होने वाले राष्ट्रीय यस समिट में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। जिसमे बीस राज्यों के उद्यमी शामिल होंगे। इस मौके पर जिला उद्योग केंद्र की प्रबंधक उपासना, हब मैनेजर तनुज पुंडीर, दर्शन उनियाल, मार्केट एक्सपर्ट रितेश केष्टवाल, मनोज कांडपाल, नंदलाल बडोनी, विवेक जदली, दीपक बनियाल आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में फर्जी वित्तीय कंपनी का भंडाफोड़, मुख्य संचालक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि कोटद्वार : कोतवाली पुलिस ने कोटद्वार में संचालित एक फर्जी वित्तीय कंपनी का पर्दाफाश करते हुए लाखों की धोखाधड़ी में शामिल मुख्य संचालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जबकि अन्य फरार अभियुक्तों की तलाश जारी है। कंपनी आरडी और एफडी जैसे जमा खातों पर अधिक ब्याज का लालच देकर लोगों से बड़ी रकम जमा कर रही थी। पुलिस का कहना है कि कंपनी को जनता से धन एकत्रित करने का कोई वैध अधिकार नहीं था। 5 सितंबर 2024 को वादिनी यास्मीन निवासी कोटद्वार द्वारा कोतवाली कोटद्वार में एक शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। वादिनी ने बताया कि सितम्बर 2023 से सितम्बर 2024 तक बोहरा कंपनी के डायरेक्टर भीम सिंह के कहने पर उन्होंने प्रतिदिन 100 रूपये जमा कर 36,500 रूपये एक वर्ष की अवधि के लिए जमा की थी। तय समय पूरा होने के बाद भी कंपनी ने ब्याज सहित रकम वापस नहीं की और कार्यालय बंद करके संचालक फरार हो गया। शिकायत पर कोतवाली कोटद्वार में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि उक्त कंपनी ने कोटद्वार के अलावा राज्य के अन्य शहरों में भी लोगों से इसी तरह खाते खुलावकर लाखों रूपए जमा कराए थे। अधिक ब्याज का लालच देकर रकम जमा करनेक के बाद कंपनी संचालक फरार हो गए। पुलिस जांच में यह भी सामने में आया कि कंपनी मालिक के खिलाफ देहरादून और टिहरी में भी धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज है। तकनीकी जांच और बैंक डिटेल्स के आधार पर पुलिस टीम ने मुख्य अभियुक्त दिलीप सिंह बोहरा पुत्र बल बहादुर निवासी विनोद बिहार, श्यामपुर, ऋषिकेश को देहरादून से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अनिल चौहान, अपर उपनिरीक्षक अहसान अली, मुख्य आरक्षी शशिकांत त्यागी, आरक्षी गंभीर आदि शामिल थे।

पुलिस की गिरफ्त में कंपनी का मुख्य संचालक।

कंपनी को नहीं था जनता से धन एकत्रित करने का कोई वैध अधिकार

पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त दिलीप सिंह बोहरा ने बताया कि उसने अपने साथियों भीम सिंह प्यारे राम, बालकरण, सुरेंद्र सिंह नेगी एवं सूरजमनी सेमवाल के साथ मिलकर बोहरा ग्रामीण विकास निधि लिमिटेड नामक कंपनी खोली थी। उक्त कंपनी मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स भारत सरकार में रजिस्टर्ड अवश्य थी, किंतु नियमानुसार कंपनी को जनता से धनराशि एकत्रित करने, आर.डी., एफ.डी. अथवा अन्य जमा योजनाएं संचालित करने का कोई वैध अधिकार प्राप्त नहीं था। इसके उपरांत भी कंपनी के सदस्यों द्वारा जनता के बीच पासबुक जारी कर धोखाधड़ीपूर्ण तरीके से धन जमा कराया जाता रहा, जो अनियमित जमा योजनाओं पर प्रतिबंध अधिनियम के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। इन साक्ष्यों के आधार पर मुकदमें उपरोक्त में 12 जून 2025 को धारा 3(5), 61(2), 336(3), 338, 340(2) बी.एन.एस. तथा 3, 21(3) बड्स एक्ट की बढ़ोत्तरी की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार ने बताया कि अन्य नामजद अभियुक्तों की तलाश जारी है और उनके संभावित ठिानों पर पुलिस टीम दबिश दे रही है।

पुलिस की जनता से अपील

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार ने लोगों से अपील की है कि किसी भी जमा योजना में पैसा लगाने से पहले उसकी कानूनी वैधता अवश्य जांचे, ताकि ऐसे फर्जी कंपनियों से होन वाले आर्थिक नुकसान से बचा जा सके।

पुलिस करेगी शैक्षणिक संस्थानों का औचक निरीक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : शैक्षणिक संस्थानों में पौड़ी पुलिस जिला प्रशासन के सहयोग से यूरीन किट के तहत नशे के आदि हो रहे युवाओं को पकड़ने के लिये अभियान चला रही है। पौड़ी पुलिस ने अभियान को जारी रखने के लिये शैक्षणिक संस्थानों से सहमति ली है, जिसके अंतर्गत किसी भी छात्र का यूरीन टेस्ट करने के बाद पता चलेगा कि वह नशा कर रहा है या नहीं। थाना दिवस पर श्रीनगर कोतवाली पहुंचे एसएसपी पौड़ी सर्वेश पंवार ने जानकारी देते हुए बताया कि शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले युवाओं के लगातार नशे में लिप्त होने की सूचनाओं का संज्ञान लेते हुए पुलिस की ओर से यह अभियान चलाया जा रहा है। एसएसपी ने बताया कि अभी तक 90 युवाओं का टेस्ट किया जा चुका है। बताया कि पुलिस की ओर से अब संस्थानों में जाकर औचक निरीक्षण किया जायेगा। बुधवार को श्रीनगर कोतवाली में पहुंचे जन प्रतिनिधियों, व्यापारियों और स्थानीय जनता ने श्रीनगर क्षेत्र में युवाओं में बढ़ते नशे पर अंकुश लगाने, फुटपाथों पर वाहन पार्क न करने समेत अन्य मुद्दों को सामने रखा। पूर्व पालिका अध्यक्ष मोहन लाल जैन, पूर्व जिला पंचायत सदस्य लखपत भंडारी, व्यापार सभा अध्यक्ष श्रीकोट नरेश नौटियाल, पार्षद शुभम प्रभाकर ने युवाओं में बढ़ रहे नशे के प्रचलन पर रोक लगाने, अवैध तरीके से वाहन पार्किंग पर नियंत्रण रखने, सब्जी के ट्रकों की जांच करने, लाउडस्पीकर की आवाज कम किये जाने और पुलिस गश्त बढ़ाये जाने की बात कही। एसएसपी पौड़ी सर्वेश पंवार ने जनता की समस्याओं पर सीओ श्रीनगर अनुज कुमार को शहर की कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिये कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिये।

गुलदार के हमले में घायल महिला को एयरलिफ्ट कर पहुंचाया एम्स

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड पोखड़ा के देवराड़ी तल्ली गांव में बुधवार को 36 वर्षीय कंचन देवी पर घास लेने के दौरान अचानक गुलदार ने हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल कंचन देवी को स्थानीय ग्रामीणों और प्रशासन की मदद से तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पोखड़ा पहुंचाया गया। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने घटना का संज्ञान लेते ही बिना एक पल गंवाए उन्नत उपचार की दिशा में निर्णायक कदम उठाए। जमीनी स्थिति की गंभीरता को समझते हुए जिलाधिकारी ने स्वयं तुरंत शासन से एयर एम्बुलेंस उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उनकी लगातार मॉनिटरिंग और त्वरित समन्वय के चलते कुछ ही समय में एयर एम्बुलेंस सतपुली पहुंची, जहां से घायल कंचन देवी को एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश भेजा गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा उनका इलाज किया जा रहा है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी चौबट्टाखाल रेखा आर्य ने स्वास्थ्य विभाग, पुलिस और वन विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सक्रिय और उल्लेखनीय भूमिका निभायी। घटना के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर देवराड़ी तल्ली व आसपास के क्षेत्रों में वन विभाग की टीमों की गश्त बढ़ा दी गयी है। ग्रामीणों को संवेदनशील क्षेत्रों में अकेले न जाने, समूह में गतिविधियां करने और सतर्क रहने के संबंध में लगातार जागरुक किया जा रहा है।

भालुओं की दहशत, दिन में हो रहे शादी समारोह

चमोली : भालुओं की दहशत और आतंक पहाड़ के गांवों में इस कदर बढ़ गया है कि अब गांवों में शादी विवाह जैसे शुभ कार्य दिन में करने के लिए लिए लोग मजबूर होने लगे हैं। अधिकांश शादी वन डे मेरिज समारोह में निपटाने पर लोग विवश हो रहे हैं। शाम ढलते ही भालू गांव और रास्ते में कहीं भी धमक रहे हैं। भालुओं का लगातार आबादी इलाकों में धमक के कारण ऐसा भी देखने को कतिपय स्थानों पर मिल रहा है कि शादी दिन में गांवों में तो डिनर और रिसेप्शन पार्टी निकट के बाजारों के होटलों अथवा वैडिंग प्वाइंट पर किया जा रहा है।

श्रीनगर मेडिकल कॉलेज तैयार कर रहा स्पेशलिस्ट डॉक्टर

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर एमबीबीएस डाक्टर देने के साथ ही स्पेशलिस्ट डॉक्टर भी प्रदेश की जनता की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए तैयार कर रहा है। मेडिकल कॉलेज में शुरू हुआ एमबीबीएस पीजी एमडी और एमएस और डीएनबी डिप्लोमा कोर्स पूरा कर लगभग 65 स्पेशलिस्ट डाक्टर मेडिकल कॉलेज ने तैयार किए हैं, जो प्रदेश के साथ ही अन्य प्रदेशों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। वर्तमान में मेडिकल कॉलेज में 52 सीटों पर पीजी और डीएनबी डिप्लोमा कोर्स संचालित हो रहा है। राजकीय मेडिकल कॉलेज में वैसे तो 2014 में पीजी कोर्स एक विभाग एनाटॉमी में शुरू हो गया था, लेकिन वर्ष 2021 से 11 विभागों में पीजी कोर्स शुरू हुआ, जिसमें आज 52 डाक्टर एमबीबीएस पीजी एमडी और एमएस और डीएनबी डिप्लोमा कोर्स कर रहे हैं, जिसमें एमडी, एमएस के 24 तथा डीएनबी के 38 सीटें हैं। वर्ष 2021 से 2023 तक 65 से अधिक डाक्टर अपना कोर्स पूरा कर स्पेशलिस्ट डॉक्टर बन चुके हैं। राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने बताया कि श्रीनगर मेडिकल कॉलेज अब स्पेशलिस्ट डॉक्टर तैयार करने की एक प्रमुख प्रयोगशाला के रूप में कार्य कर रहा है। यहां से पीजी करने वाले डॉक्टरों को उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल, उच्चस्तरीय प्रशिक्षण और पर्यावरण-अनुकूल परिसर में पढ़ने का अवसर मिलता है। अब तक कुल 65 डॉक्टर अपना पीजी कोर्स पूरा कर चुके हैं, जो संस्थान के सभी संकाय सदस्यों की निरंतर मेहनत और समर्पण का परिणाम है। पीजी कोर्स पूरा होने के बाद डॉक्टरों की सूची चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को भेज दी जाती है, जिसके आधार पर उनकी विभिन्न अस्पतालों में तैनाती होती है। डॉ. सयाना ने बताया कि ऑल इंडिया कोटा से आने वाले डॉक्टर अपने राज्य या मेडिकल कॉलेज में सीनियर रेज़ीडेंट के रूप में सेवाएं प्रदान करते हैं।

वर्तमान में 52 सीटों के अतिरिक्त 34 नई सीटों के लिए भी एनएमसी में आवेदन किया गया है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि हराजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर द्वारा 65 से अधिक स्पेशलिस्ट डॉक्टर तैयार किया जाना प्रदेश के लिए गर्व की उपलब्धि है।

तीन दिवसीय एसएमसी प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : राजकीय प्राथमिक विद्यालय बरस्वार में बुधवार को विद्यालय प्रबन्धन समिति के सदस्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हो गया है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यालय प्रबंधन एवं संचालन से जुड़े विविध विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन में समुदाय की भूमिका को मजबूत करने और शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने का संदेश दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक एवं संदर्भदाता चंद्रमोहन सिंह रावत।

इस प्रशिक्षण में संकुल के अंतर्गत आने वाले राप्राावि बरस्वार, राप्रावि जडियाना, राप्रावि तूनीखाल, राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय तूनीखाल तथा राउमावि बरस्वार के 27 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के दौरान आरटीई अधिनियम 2009, विद्यालय विकास योजना, बाल अधिकार, समुदाय की भूमिका, पीएम पोषण योजना, एसएमसी, एसएमडीसी की जिम्मेदारियां, विद्यालय की वित्तीय व्यवस्था, बालिकाओं की शिक्षा, विद्यालयी सुरक्षा, भौतिक संसाधन प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा, समावेशी शिक्षा, विद्यालय विकास योजना के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। इस मौके पर नोडल अधिकारी नरेंद्र मोहन बमराड़ा, कार्यक्रम संयोजक एवं संदर्भदाता चंद्रमोहन सिंह रावत, महेंद्र कुमार लखेड़ा, सीआरपी जाह्नवी ध्यानी, प्रधानाध्यापक आशीष मधवाल (राउप्रावि तूनीखाल), प्रधानाध्यापक विजय कुमार चंदोला (राप्रावि जडियाना), प्रधानाध्यापिका सीमा थपलियाल (राप्रावि तूनीखाल), प्रधानाध्यापिका उर्मिला गुसाईं (राप्रावि बरस्वार), प्रधानाध्यापक धीरेन्द्र सिंह बिष्ट (राउमावि बरस्वार), ग्राम प्रधान बरस्वार दिनेश चंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

निविदा संख्या 23/2025 — दिनांक : 08.12.2025

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी (रु.)	कार्य के पूरा करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
1	27/वरिष्ठ म.वि.अभि./सा./मुरा/2025: कोचिंग डिपो में विद्युत परिसंपत्तियों के रखरखाव और तकनीकी अवसंरचना का विस्तार तथा प्री-कूलिंग और चार्जिंग पॉइंट्स के लिए विद्युत कार्य एवं [illegible] मुरादाबाद में फ्रेट लोड के लिए लाइन संख्या 13 एवं 14 पर अंडर गियर जांच के लिए प्रकाश व्यवस्था एवं वेल्डिंग सुविधाओं का प्रावधान।	17630839.11 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुरादाबाद	238200.00	6 (छः) महीने	निविदायें दिनांक 31.12.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय मुरादाबाद।
2	28/वरिष्ठ म.वि.अभि./सा./मुरा/2025: [illegible] के लिए विद्युत कार्य परिचालन क्षेत्र का उन्नयन, प्लेटफार्म संख्या 1 और 2/3 का उन्नयन, विस्तार और सीओपी, द्वितीय प्रवेश का विकास और धामपुर में एफओबी का विस्तार।	[illegible] (जीएसटी सहित)		37100.00	6 (छः) महीने		
3	29/वरिष्ठ म.वि.अभि./सा./मुरा/2025: एनबी के मौजूदा रनिंग रूम में प्रति कमरा दो बेड वाले 30 नए कमरों के निर्माण/संवर्द्धन में शेष विद्युत कार्य।	1754636.20 (जीएसटी सहित)		35100.00	6 (छः) महीने		

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ — 3813/25

संक्षिप्त समाचार

धूमधाम से मनाया गया विद्यालय का वार्षिक दिवस

देहरादून। महाराणा योगेश्वर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मसूरी का वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर कॉलेज के छोटे बच्चों के द्वारा एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बुधवार को कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षाविद् मधु मेहरोत्रा व कॉलेज के प्रधानाचार्य मनोज रयाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि मधु मिहिरोत्रा ने बच्चों के द्वारा दिए गए कार्यक्रमों की सराहना की। कहा कि आज के बच्चों में अद्भुत प्रतिभा है। उस प्रतिभा की पहचान कर उसको दिशा प्रदान करने का का यह मंच एक माध्यम है।

इसलिए हम सभी को अपने बच्चों को अच्छे कार्यों के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। विद्यालय समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र ने कहा कि आप आने वाले कल का भविष्य हैं इसलिए अपने मन में आए विचारों को प्रस्तुत करने का जहां भी अवसर मिले,वहां पर व्यक्त करना यह बहुत बड़ी बात है। विद्यालय के प्रबंधक मनमोहन शर्मा ने सभी के सहयोग से विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर मनोज रयाल ने बताया कि केवल पुस्तकी ज्ञान ही नहीं अपितु बच्चों के अंदर निहित क्षमताओं को विकसित करना चाहिए। इस अवसर पर मंजू पूनम, माधुरी शर्मा, रश्मि सहित बच्चों के अभिभावक मौजूद रहे।

मेडिकल छात्रों ने ली ओथ शव प्रतिज्ञा

देहरादून। एसजीआरआर इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेज के एनाटॉमी विभाग में एमबीबीएस 2025 बैच के छात्रों ने कैडैवरिक ओथ(शव प्रतिज्ञा) ली। इसके लिए बुधवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। समारोह का शुभारंभ डा. संजय अग्रवाल, जसवीर कौर, इंद्रजीत सिंह और राजकिशोर जैन ने दीप प्रज्वलन कर किया। विभागाध्यक्ष प्रो. हरमीत कौर ने कैडैवर को प्रथम गुरु बताते हुए कहा कि यह प्रतिज्ञा मेडिकल शिक्षा की नैतिक नींव है।

मुख्य अतिथि डा. संजय कुमार अग्रवाल ने बॉडी डोनेशन के बढ़ते जागरूकता की सराहना की। इंदरजीत सिंह ने बताया कि वे और उनकी बेटी पहले ही बॉडी डोनेशन फॉर्म भर चुके हैं। मैडम जसवीर कौर और राजकिशोर जैन ने भी छात्रों को आशीर्वाद दिया। प्रो. हरमीत कौर ने जानकारी दी कि संकाय सदस्य डा. मनोज के गुप्ता ने चार दिन पूर्व अपने पिता का शरीर महाविद्यालय को दान किया है। कार्यक्रम में डा. निधि जैन, डा. शशि मुंजाल, डा. एस. अली, डा. वंदना तिवारी, डा. अनिशा नौटियाल और डा. चंचल शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे। गुरु राम राय विश्वविद्यालय में फेयरवेल पार्टी देहरादून(आरएनएस)। गुरु राम राय विश्वविद्यालय में नर्सिंग विभाग में बुधवार को फेयरवेल पार्टी आयोजित की गई।

कार्यक्रम में छात्रों ने नृत्य, गायन और रैंप वॉक प्रस्तुतियां दीं। मिस और मिस्टर फेयरवेल के विजेता रहे – एएनएम ज्योति बधोनी, जीएनएम कर्मा व डिम्पला, बीएससी मोहित व ऋतु। कार्यक्रम में डा. जी. रामालक्ष्मी, प्रो. दिनेश्वरी चानू पाओनम, प्रो. पोनमारी के, कृति हरजाई, रैचल प्रसाद, रिबैका प्रीति, माईबाम रीना चारू, सुलेखा, कंचन कोठियाल, दिपाली और कंचन नेगी उपस्थित रहे।

उत्तरांचल विवि में दो दिवसीय दीक्षांत समारोह आज से

देहरादून। उत्तरांचल विश्वविद्यालय का दो दिवसीय दीक्षांत समारोह गुरुवार से शुरू हो रहा है। बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में विश्वविद्यालय की उपाध्यक्ष अंकिता जोशी ने बताया कि पहले दिन ऑनलाइन और दूसरे दिन आफलाइन मोड में पढ़ने वाले छात्रों को डिग्रियां दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का सेंटर फॉर ऑनलाइन एंड डिस्टेंस लर्निंग एजुकेशन प्रदेश में अपनी तरह का पहला दीक्षांत समारोह आयोजित कर रहा है, जिसमें युवा छात्रों के साथ–साथ उम्रदराज शिक्षार्थी भी अपनी डिग्री प्राप्त करेंगे।

पहले दिन 2371 छात्र डिग्री लेंगे। इसके साथ ही पुराने बैचों के पूर्व छात्रों की एलुमिनी मीट भी आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि पहली बार किसी निजी विवि में आनलाइन मोड में पढ़ने वाले छात्रों के लिए इस तरह दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह का दूसरा दिन 12 दिसंबर को रेगुलर छात्रों के लिए निर्धारित है, जिसमें विभिन्न संकायों के 3131 छात्र हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) विद्यार्थियों को डिग्रियां देंगे।

समयबद्ध वसूली और कड़ी कार्रवाई करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि

पौड़ी : कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय राजस्व संवर्द्धन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में राजस्व वसूली, परिवहन व्यवस्था, अवैध खनन, जीएसटी और विद्युत किराया वसूली सहित विभिन्न विभागों की कार्य प्रगति की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप समयबद्ध वसूली और प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। जिलाधिकारी ने वन विभाग को भी राजस्व वसूली बढ़ाने को कहा। डीएम ने सभी उपजिलाधिकारियों को 31 दिसंबर तक एसआईआर कार्यवाही से संबंधित मैपिंग पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बीएलओ और सुपरवाइजरों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए और कोटद्वार क्षेत्र में विशेष ध्यान देते हुए सशक्त निगरानी करने को कहा।

बैठक में अवैध खनन को लेकर जिलाधिकारी ने खनन विभाग को कड़े निर्देश दिए और नियमित निरीक्षण कर अवैध खनन पर तुरंत कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने उपजिलाधिकारी को ऐसे स्थलों पर विशेष निगरानी बनाए रखने के लिए कहा। उन्होंने आबकारी विभाग को मदिरा दुकानों से बकाया वसूली 15 दिनों के भीतर शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राज्य कर विभाग को दुकानों की जीएसटी जांच करने और उनकी बिलिंग एवं वसूली की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। वहीं विद्युत विभाग को उपभोक्ताओं को समय पर बिल उपलब्ध कराने, स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों का समाधान करने और बिजली चोरी पर की गयी चालानी कार्रवाई की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। उन्होंने कोटद्वार तहसील में बिजली मुद्दों को लेकर धरने पर बैठे लोगों से संवाद कर स्मार्ट मीटर से संबंधित जानकारी देने को कहा। जिलाधिकारी ने जिला निबंधक को स्टाम्प चोरी मामलों की रैंडम जांच करने के निर्देश दिए, जबकि पर्यटन विभाग को संपत्तियों की टेंडर प्रक्रिया में तेजी लाने और आवश्यकता होने पर राशि में संशोधन करने की सलाह दी। उन्होंने जिला पंचायत को कनिष्ठ अभियंताओं को जिला प्राधिकरण के मानकों के अनुसार नक्शा पास करने का प्रशिक्षण देने और शहर से बाहर स्थित होटल व रेस्टोरेंट के मानचित्र की जांच पर्यटन एवं राजस्व विभाग के साथ मिलकर करने को कहा। बैठक में अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, उपजिलाधिकारी श्रीनगर नूपुर वर्मा, यमकेश्वर चतर सिंह चौहान, चौबट्टाखाल रेखा आर्य, लैंसडाउन शालिनी मौर्य, धुमाकोट श्रेष्ठ गुनसोला, आरटीओ अरविंद पाण्डे, सीओ पुलिस तुषार बोरा, एसडीओ वन आयशा बिष्ट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग किसी का अनावश्यक चालान न करें

जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि किसी का अनावश्यक चालान न किया जाय तथा कार्रवाई नियमों के अनुसार ही हो। उन्होंने खनन संबंधी मामलों में बिना नंबर प्लेट के घूम रहे वाहनों पर तुरंत कार्रवाई करने को कहा। यूपी और कोटद्वार बॉर्डर स्थित कौड़िया चेक पोस्ट पर जांच व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि वाहनों की जांच एक ही स्थान पर हो, जिससे जाम की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन कितने वाहन जांचे गए और उनमें कितने सही या गलत पाए गए, उसका रिकॉर्ड अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाय। साथ ही उन्होंने राजस्व, पुलिस और परिवहन विभागों को संयुक्त रूप से नियमित चेकिंग करने के भी निर्देश दिए।

15 से शुरू होगा मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण

रुद्रप्रयाग : रुद्रप्रयाग नगर में तीन मंजिला मल्टीलेवल पार्किंग का काम 15 दिसम्बर से शुरू होगा। इसके लिए सिंचाई विभाग द्वारा संबंधित ठेकेदार को निर्देशित कर दिया गया है ताकि समय पर काम शुरू किया जा सके। इस पार्किंग के निर्माण होने से नगर के लोगों को काफी राहत मिलेगी। पार्किंग में 100 से अधिक वाहन पार्क हो सकेंगे। मुख्यालय स्थित पुनाड़ गदेरे में एसटीपी प्लांट के निकट कॉलम के सहारे बनने वाली मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण फिर से शुरू होने वाला है। बीच में बरसात के चलते काम रुक गया था, जबकि अब पार्किंग का 15 दिसम्बर से शुरू होगा। विधायक भरत सिंह चौधरी के विशेष प्रयासों से पूर्व में सरकार द्वारा पार्किंग के लिए 7 करोड़ 9 लाख 74 हजार की स्वीकृति दी गई। सिंचाई खंड रुद्रप्रयाग द्वारा पार्किंग का निर्माण किया जा रहा है। सिंचाई खंड रुद्रप्रयाग द्वारा थ्रीडी मॉडल के आधार पर तीन मंजिला पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। जो पुनाड़ गदेरे से 17 मीटर ऊपर बनेगी। ताकि किसी तरह गदेरे के प्रवाह से इसे कोई नुकसान न हो। बता दें पूर्व में जिला प्रशासन द्वारा पार्किंग के लिए राजस्व, नगर पालिका, सिंचाई विभाग, आपदा आदि के सहयोग से भूमि चिन्हित की गई। जबकि इस भूमि का भूगर्भीय सर्वेक्षण भी कराया गया। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता खुशवंत चौहान ने बताया कि बीच में बरसात के चलते कार्य बंद कर दिया गया था, अब फिर से 15 दिसम्बर से काम शुरू होगा। पहले चरण में पुनाड़ गदेरे के दोनों तरफ कॉलम डाले जाएंगे।

7 करोड़ से बनने वाली पार्किंग 45 मीटर लम्बी और 15 मीटर चौड़ी होगी जिसमें करीब सौ वाहन पार्क हो सकेंगे। पार्किंग का काम साल भर में पूरा कर दिया जाएगा। (एजेंसी)

हाउस ऑफ हिमालय ब्रॉन्ड से बिकेगा दून का बासमती

देहरादून। दून बासमती के पुनर्जीवन में 200 से अधिक समूह की महिलाओं ने अहम भूमिका निभाई है। 200 से अधिक कुंतल की खरीद की गई है।किसानों के खातों में 13 लाख से अधिक रुपये का भुगतान किया गया है। इससे किसानों की आर्थिकी में सुधार हुआ है। ग्राम उत्थान विभाग और कृषि विभाग किसानों द्वारा उगाई गई बासमती को उचित मुल्य पर खरीदकर उसे ब्रॉन्ड के तौर पर पेश करने की तैयारी कर रही है। सहसपुर और विकास नगर के किसानों ने दून बासमती की टाइप–3 की खेती कर उसे नई पहचान दिलाई है। धान की अच्छी उपज के लिए ग्राम उत्थान और कृषि विभाग की ओर से किसानों और महिलाओं के समूह को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और बाजार तक उपलब्ध कराया गया। खेती से लेकर प्रसंस्करण और बिक्री तक हर स्तर पर विभाग की सक्रिय भागीदारी से दून बासमती के उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार आया है। साथ ही उनकी आय में भी वृद्धि हुई है। ग्राम उत्थान विभाग ने सभी किसानों और महिलाओं के समूह से □65 प्रति किलो के हिसाब से 200 से अधिक कुतंल दून बासमती धान खरीदा है। इसका ग्राम उत्थान विभाग ने किसानों को 13 लाख से अधिक का भुगतान भी कर दिया गया है। ग्राम उत्थान द्वारा खरीदे गए दून बासमती को हिलान्स और हाउस ऑफ हिमालय के माध्यम से एक ब्रांड के रूप में स्थापित करने की दिशा में जिला प्रशासन पहल कर रहा है। सीडीओ अभिनव शाह ने बताया कि इससे न केवल दून बासमती धान को पुनर्जीवन मिलेगा साथ ही स्थानीय समूह की महिला किसानों की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

खांसी, जुकाम और गले के दर्द से पीड़ित लोग पहुंच रहे अस्पताल

रुद्रप्रयाग : पहाड़ों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और सूखी ठंड के कारण खांसी, जुकाम और गले दर्द से पीड़ित 40 से 50 मरीज रोजाना जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या बच्चों की है। जिला अस्पताल के ईएनटी विभाग में रोजाना इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। ठंड में कोरइजा के कारण कान व गले को जोड़ने वाली नली (यूस्टेशियन ट्यूब) में रुकावट या सूजन आ जाती है। इसके कारण कान में दबाव और तरल पदार्थ के जमा होने से वायरस पनपते हैं और इससे दर्द होता है। जिला अस्पताल के ईएनटी विभाग के डॉ. तस्दीक खान बताते हैं कि इस समस्या से सबसे अधिक बच्चे पीड़ित होते हैं। सर्दियों में उनका सबसे अधिक ख्याल रखने की आवश्यकता है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में कुपोषित बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाए : अमित शर्मा

जयन्त प्रतिनिधि पौड़ी : केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त केंद्रीय प्रभारी अधिकारी अमित शर्मा (आई.आर.ए.एस.), निदेशक कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में संस्थागत प्रसव, एनक्यूएएस प्रमाणन (राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक), कम वजन नवजात शिशुओं की संख्या में कमी लाने तथा उच्च रक्तचाप और मधुमेह की जांच बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में कुपोषित बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाए और सभी बच्चों को संतुलित पोषण आहार उपलब्ध कराया जाए। नीति आयोग भारत सरकार द्वारा संचालित आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम को मजबूती देने के क्रम में केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त केंद्रीय प्रभारी अधिकारी अमित शर्मा (आई.आर.ए.एस.), निदेशक कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार ने जनपद के अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान दुगड्डा विकासखण्ड के विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। केंद्रीय प्रभारी ने पौखाल स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कठूड़बड़ा के आंगनबाड़ी केंद्र तथा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज दुगड्डा का निरीक्षण किया।

जिला मुख्यालय पहुंचने पर उन्होंने जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया के साथ भी विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इसके उपरांत उन्होंने विकास भवन सभागार में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, सामाजिक विकास एवं मूलभूत अवसंरचना सहित कुल 39 प्रमुख संकेतकों की जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने शिक्षा विभाग को दिव्यांगजन विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण देने तथा प्रस्तावित चार विद्यालय पुस्तकालयों के निर्माण/सुधार कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने भारत संचार निगम लिमिटेड के अधिकारियों को निर्देशित किया कि तीन माह के भीतर विकासखण्ड की सभी ग्राम पंचायतों को भारत नेट कनेक्शन से जोड़ा जाए। इसके अलावा उन्होंने ओडीएफ प्लस (खुले में शौच मुक्त प्लस) के तहत निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने को कहा। इस अवसर पर पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. शिव मोहन शुक्ला, मुख्य शिक्षाधिकारी नागेंद्र बर्तवाल, अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई मुकेश दत्त, पीडी स्वजल दीपक रावत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पोखडा के देवराड़ी में गुलदार के हमले में महिला गंभीर घायल

जयन्त प्रतिनिधि

सतपुली : पौड़ी जिले में गुलदार के हमले थमने का नाम नहीं ले रहे है। बुधवार को गढ़वाल वन प्रभाग की पोखड़ा रेंज के देवराड़ी से सटे जंगल में गांव की महिलाओं के साथ घास काट रही एक महिला को गुलदार ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। महिला की गर्दन आदि में गुलदार के नाखूनों के गहरे घाव आए हैं।

घायल महिला को पोखड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए लाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला को कोटद्वार के लिए रेफर कर दिया।

पोखड़ा के पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि देवराड़ी गांव निवासी कंचन देवी बुधवार सुबह करीब 11 बजे चंदोला तोक के सिविल क्षेत्र में घास काट रही थी। इसी दौरान गुलदार ने कंचन पर हमला कर दिया। तभी वहां

मौजूद गांव के अंकित और जयदीप ने महिला को गुलदार के चंगुल से बचाया। अंकित अपने भाई जयदीप के साथ बाजार जा रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि एक महिला को गुलदार घसीट रहा था। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना महिला को बचाया। अंकित और उनके भाई की मदद से महिला की जान बच गई। अंकित ने बताया कि वह अपने बड़े भाई के साथ संगलाकोटी बाजार जा रहे थे। तभी देखा कि गांव से सटे चंदोला तोक में ऊपर घास काट रही महिलाएं शोर मचा रही हैं। शोर सुनते ही वह उस तरफ भागे। जब मौके पर पहुंचे तो देख कर सन रह गए। गुलदार महिला को घसीटे जा रहा था। गुलदार पर दूर से काफी पत्थर फेंके गए, लेकिन गुलदार ने महिला को नहीं छोड़ा, तो फिर बिल्कुल पास ही जाकर महिला को गुलदार के चंगुल से छुड़ाया। अंकित बताते हैं कि महिला गुलदार की डर से काफी घबरा गई थी। पीछे से आ रहे बड़े भाई जयदीप ने भी मदद की तब जाकर महिला को गुलदार से बचाया जा सका। कंचन गांव के साथ ही अन्य 10-12 महिलाओं के साथ घास काट रही थी, लेकिन ये महिलाएं आपस में कुछ दूरी पर थी।

समाज में विधिक जागरूकता फैलाने का दिया संदेश

रुद्रप्रयाग : नव ज्योति पब्लिक स्कूल नगरासू में विश्व मानवाधिकार दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रतिभागियों को बाल संरक्षण कानून, महिला सुरक्षा से संबंधित विधिक प्रावधान, फ्री लीगल एड, नालसा एवं टीएलएसए की ओर से संचालित योजनाएं, घरेलू हिंसा अधिनियम तथा मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी गई। कहा गया कि मानवाधिकार केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है बल्कि यह समानता, गरिमा, सुरक्षा का भी अधिकार देते हैं। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल सिंह ने सभी प्रतिभागियों को मानवाधिकारों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने, समाज में विधिक जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया। (एजेंसी)

सुरक्षित ड्राइविंग व यातायात नियमों की जानकारी दी

देहरादून। सनातन धर्म गर्ल्स इंटर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में संभागीय परिवहन विभाग की टीम ने नये मोटर व्हीकल अधिनियम सहित सुरक्षित ड्राइविंग व यातायात नियमों की जानकारी के साथ ही आपदा प्रबंधन की जानकारी दी। रोटरी मसूरी ने सनातन धर्म गर्ल्स इंटर कॉलेज के प्रांगण में रोटरी यूथ लीडरशिप कार्यक्रम के तहत रायला शील्ड का आयोजन किया जिसमें छात्राओं को सनातन धर्म गर्ल्स इंटर कालेज प्रांगण में रोटरी मसूरी के यूथ लीडरशिप कार्यक्रम में सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय व सनातन धर्म गर्ल्स इंटर कालेज के 120 छात्र छात्राओं को विभिन्न जानकारी दी गई। संभागीय परिवहन विभाग की टीम ने छात्र छात्राओं को नई मोटर वाहन अधिनियम, ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया तथा सड़क सुरक्षा नियमों से अवगत कराया। प्रशिक्षक पंकज श्रीवास्तव ने ट्रैफिक नियमों का पालन, सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व तथा सड़क सुरक्षा व्यवहार पर जागरूकता बढ़ाई व दुर्घटनाओं को रोकने के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। गई। आपदा प्रबंधन में मास्टर ट्रेनर राजू सहाय ने भूकंप, बाढ़, भूमि धंसाव एवं आग जैसी आपदाओं से निपटने के सुरक्षा उपायों के बारे में बताया। सुशील सिंह कैंतुरा ने मोबाइल ऐप बीयूडीईवी के उपयोग की जानकारी दी गई, जो भूकंप से पूर्व अलार्म देकर बचाव के लिए सचेत करता है। अग्नि सुरक्षा सत्र में फायर फाइटिंग के प्राथमिक उपायों एवं अग्नि लगने पर बचाव की प्रक्रियाओं को समझाया गया। नशा नियंत्रण एवं जागरूकता विषय पर डॉ. संतोष नेगी ने नशे के दुष्प्रभावों एवं उनसे बचाव के उपायों पर व्याख्यान दिया।

डा. कमल घनशाला ईएसक्यूआर अवार्ड से सम्मानित

देहरादून। ग्राफिक एरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन डा. कमल घनशाला को यूरोपीयन सोसायटी फॉर क्वालिटी रिसर्च (ईएसक्यूआर) क्वालिटी अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह बुधवार को दुबई में आयोजित हुआ। यूरोपीयन सोसायटी फॉर क्वालिटी रिसर्च (ईएसक्यूआर) का क्वालिटी अचीवमेंट अवार्ड विश्व भर के उन चुनिंदा संस्थाओं और नेतृत्वकर्ताओं को दिया जाता है जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को न केवल अपनाते हैं बल्कि उन्हें नए आयामों तक पहुंचाते हुए समाज और शिक्षा जगत में वास्तविक परिवर्तन लाते हैं। डा. घनशाला को यह सम्मान मिलना इस बात का सशक्त प्रमाण है कि वह भारतीय उच्च शिक्षा को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने वाले अग्रणी, दूरदर्शी और परिवर्तनकारी नेतृत्वकर्ता है। यह क्वालिटी अचीवमेंट अवार्ड इस तथ्य पर विश्व समुदाय की मुहर है कि डा. कमल घनशाला केवल एक उत्कृष्ट प्रशासक और सफल संस्थापक ही नहीं बल्कि गुणवत्ता, नवाचार और सामाजिक विकास जैसे गणों के प्रतीक है जिन्होंने ग्राफिक एरा को एक श्रेष्ठ वैश्विक शिक्षण संस्थान के रूप में स्थापित किया है। डा. कमल घनशाला को यह अवार्ड ईएसक्यूआर के अध्यक्ष डेविड एन्ट्रैक ने प्रदान किया। दुबई में हुए इस भव्य समारोह में 14 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए दो छात्र चयनित

रुद्रप्रयाग : पब्लिक इंटर कॉलेज द्वारीधार के दो छात्रों का चयन मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए हुआ है। कक्षा 9 के अंकुश चौहान और कक्षा 6 के सौरभ भंडारी की सफलता पर प्रधानाचार्य महिपाल सिंह नेगी और शिक्षकों ने दोनों छात्रों को सम्मानित किया। प्रधानाचार्य महिपाल सिंह नेगी ने कहा कि अंकुश और सौरभ की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है। शिक्षक बीएस बर्वाल व शिक्षक बीएस मिंगवाल ने कहा कि उनकी सफलता अन्य छात्रों को भी प्रेरित करेगी। कार्यक्रम में जीएस बर्वाल, वीएस भंडारी, एस भिलंगवाल, पीपी कांडपाल और एस सती आदि उपस्थित रहे। (एजेंसी)

साइबर ठगी के चार अलग—अलग मामलों में 24 लाख से अधिक ठगे

देहरादून। साइबर ठगों ने चार लोगों को 24 लाख रुपये से अधिक चूना लगा दिया। सभी शिकायतों पर संबंधित थानों में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। ठगी एक– जीवन प्रमाण पत्र का झांसा दे 10 लाख ठगे शीशपाल सिंह निवासी न्यू गांधीग्राम की शिकायत पर शहर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज किया। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि बीते 23 नवंबर को एक अज्ञात मोबाइल नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को पीएनबी अधिकारी बताया। पीड़ित को कहा कि उनका जीवित प्रमाण पत्र अपडेट होना है। इसके लिए कुछ जानकारी के बहाने मोबाइल पर एक एपीके फाइल डाउनलोड कराई। उसके जरिए पीड़ित के बैंक खातों की जानकारी हासिल कर उससे दस लाख रुपये उड़ा लिए। शहर कोतवाल प्रदीप पंत ने बताया कि शिकायत पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

केस 02 :— ऑनलाइन टास्क से कमाई के झांसे में सात लाख गंवाए

ऑनलाइन टास्क पूरे कर कमाई के झांसे में नथुवावाला निवासी प्रियांशी नेगी ने 7.03 लाख रुपये गंवा दिए। पुलिस को दी शिकायत में कहा कि बीते 29 नवंबर को व्हाट्सएप एक अनजान नंबर से मैसेज आया। उसने ऑनलाइन नौकरी का लालच दिया। इसके बाद पीड़िता ने अपने कुछ दस्तावेज भेजे। शुरुआत में ऑनलाइन साइटों पर प्रोडक्ट की रेटिंग कराई। इसमें कुछ रुपये मिले। इसके बाद रकम जमा करने के टास्क में घेरा और पीड़िता से लाखों रुपये की ठगी कर ली। एसओ रायपुर गिरीश नेगी ने बताया कि शिकायत पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

केस 03:— बैंक अधिकारी बनकर 4.12 लाख ठगे

रायपुर निवासी धीरेंद्र नाथ द्विवेदी को बैंक अधिकारी बनकर साइबर ठग ने 4.12 लाख रुपये का चूना लगा दिया। बताया कि वह बीते चार दिसंबर को फेसबुक चला रहे थे। इस दौरान इंडसइंड बैंक ऑफर की एक पोस्ट दिखी। उस पर क्लिक किया तो पीड़ित को व्हाट्सएप पर मैसेज आया। मैसेज करने वाले ने खुद को बैंक अधिकारी बताकर पीड़ित से बैंक खाते से जुड़े दस्तावेज मांगे। इसके बाद पीड़ित के बैंक खाते से रकम ट्रांसफर हुई। एसओ रायपुर गिरीश नेगी ने बताया कि शिकायत पर साइबर ठगी की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

केस 04:— दुर्घटना के बहाने लगाया 2.02 लाख रुपये का चूना

दुर्घटना के चलते अस्पताल भर्ती होने का झांसा देकर साइबर ठग ने सरस्वती ठाकुर निवासी सहस्त्रधारा रोड को 2.02 लाख रुपये का चूना लगाया। सरस्वती ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि एक दिसंबर को अनजान नंबर से फोन आया। जिसने खुद को परिचित बताया। झांसा दिया कि वह अस्पताल में भर्ती है और यूपीआई काम नहीं कर रहा है। कहा कि उनके खाते में कुछ रकम भेज रहा है। उसे उसके बताए यूपीआई खाते में जमा करने को कहा। उसने पीड़िता के खाते में 2.02 लाख रुपये ट्रांसफर करने के दो स्क्रीन शॉट भेजे। पीड़िता ने विश्वास कर अपने बैंक खाते से आरोपी के बताई यूपीआई आईडी में यह रकम ट्रांसफर कर दी। इसके बाद खाते में रकम जमा नहीं हुई तो ठगी का पता लगा।

देश में संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही : प्रीतम सिंह

विकासनगर। आगामी 14 दिसंबर को कांग्रेस की ओर से दिल्ली में प्रस्तावित वोट चोर गद्दी छोड़ रैली को सफल बनाने के लिए बुधवार को नगर के एक वेडिंग प्वाइंट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। इसमें चकराता, विकासनगर और सहसपुर विधानसभा क्षेत्र से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भागीदारी कर दिल्ली की रैली को सफल बनाने पर मंथन किया। इस दौरान कांग्रेस चुनाव संचालन समिति अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। कहा कि देश में संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। मताधिकार को सीमित कर लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से महारैली में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। पछुवादून रैली प्रभारी हरेंद्र शर्मा ने कहा कि उनके क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खनन, भूमाफिया और शराब माफिया के हवाले हो गई है। पूर्व मंत्री नवप्रभात ने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत किए जाने पर जोर दिया। कहा कि तकनीकी प्रक्रियाओं से वोटों को काटने का प्रयास किया जा रहा है। इसका कांग्रेस मजबूती से मुकाबला करेगी। जिला पंचायत उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने कहा कि कांग्रेस का हर युवा बूथ स्तर पर पहरेदार की भूमिका निभाए। इसके साथ हरिद्वार विधायक रवि बहादुर, संजय पालीवाल, बॉबी नौटियाल, सुखविंदर कौर, राजकुमार, लालचंद शर्मा और ताहिर आदि ने भी विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष शम्मी प्रकाश ने किया।

कार्यक्रम में महिला अध्यक्ष शशि चौहान, कुसुम कौशल, सभासद सुमन लता, भारत कालरा, लवलेश शर्मा, पूर्व महासचिव राजीव शर्मा, श्याम सिंह चौहान, उमादत जोशी, अमर सिंह, सरदार सिंह, अजय नेगी, फुरकान, नितिन वर्मा, जितेंद्र रावत, रहमान, नौशाद अली, अभिराजन, हिमकर गुप्ता, रोहित गुप्ता, विपिन गर्ग, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, अनिता निराला, हरीश ग्रोवर और राजेंद्र बिंजोला आदि मौजूद रहे।

पड़ोसी के कुत्ते के हमले से सहमा पुलिसकर्मी का परिवार, केस दर्ज

देहरादून, नेहरू कॉलोनी क्षेत्र में एक पुलिस कांस्टेबल के परिवार को पड़ोस में रहने वाली एक महिला से लगातार प्रताड़ना और जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। कांस्टेबल की पत्नी ने महिला पर अपने बच्चों पर पालतू कुत्ते से जानबूझकर हमला कराने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। एसओ नेहरू कॉलोनी संजीत कुमार ने बताया कि गीतिका करायत निवासी ज्वालपा एंक्लेव, मोकमपुर ने तहरीर दी। बताया कि पति पुलिस में कांस्टेबल हैं। पड़ोस में प्रियंका राणा का परिवार रहता है। आरोप है कि दो नंवबर को गीतिका के घर मेहमान आए हुए थे। मेहमानों के वापस लौटने के दौरान प्रियंका राणा ने जानबूझकर अपने पालतू कुत्ते को खुला छोड़ दिया।

सुरक्षित ड्राइविंग व यातायात नियमों की जानकारी दी

देहरादून। सनातन धर्म गर्ल्स इंटर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में संभागीय परिवहन विभाग की टीम ने नये मोटर व्हीकल अधिनियम सहित सुरक्षित ड्राइविंग व यातायात नियमों की जानकारी के साथ ही आपदा प्रबंधन की जानकारी दी। रोटरी मसूरी ने सनातन धर्म गर्ल्स इंटर कॉलेज के प्रांगण में रोटरी यूथ लीडरशिप कार्यक्रम के तहत रायला शील्ड का आयोजन किया जिसमें छात्राओं को सनातन धर्म गर्ल्स इंटर कालेज प्रांगण में रोटरी मसूरी के यूथ लीडरशिप कार्यक्रम में सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय व सनातन धर्म गर्ल्स इंटर कालेज के 120 छात्र छात्राओं को विभिन्न जानकारी दी गई। संभागीय परिवहन विभाग की टीम ने छात्र छात्राओं को नई मोटर वाहन अधिनियम, ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया तथा सड़क सुरक्षा नियमों से अवगत कराया। प्रशिक्षक पंकज श्रीवास्तव ने ट्रैफिक नियमों का पालन, सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व तथा सड़क सुरक्षा व्यवहार पर जागरूकता बढ़ाई व दुर्घटनाओं को रोकने के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। गई। आपदा प्रबंधन में मास्टर ट्रेनर राजू सहाय ने भूकंप, बाढ़, भूमि धंसाव एवं आग जैसी आपदाओं से निपटने के सुरक्षा उपायों के बारे में बताया। सुशील सिंह कैंतुरा ने मोबाइल ऐप बीयूडीईवी के उपयोग की जानकारी दी गई, जो भूकंप से पूर्व अलार्म देकर बचाव के लिए सचेत करता है। अग्नि सुरक्षा सत्र में फायर फाइटिंग के प्राथमिक उपायों एवं अग्नि लगने पर बचाव की प्रक्रियाओं को समझाया गया।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com